



हिन्दी दैनिक

सोजनामा इन्डो गल्फ



www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार

10 अगस्त 2024

वर्ष: 02 अंक: 90

पृष्ठ - 12

PRGI NO - BIHHIN/2023/86924

मूल्य - ₹ 3

पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

वक्फ बोर्ड में संशोधन से पसमादा समाज को मिलेगी हिस्सेदारी: दानिश



एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार के एक मात्र मुस्लिम अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने आरोप लगाया है कि संसद में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर विपक्ष मुसलमानों में भ्रम फैला रहा है। उन्होंने कहा कि इस बिल से किसी भी धार्मिक संस्था में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन इस बिल को लाने से नहीं होगा। दानिश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा का एजेंडा कभी भी मुसलमान के विकास का नहीं रहा है। मोदी सरकार ईमानदारी से मुसलमान के ठोस विकास के लिए और बेहतर भविष्य के लिए काम कर रही है। दानिश आजाद ने कहा कि इस बिल से अब तक वंचित रहे मुसलमानों को उनका हक मिलेगा। इसमें महिलाओं और पिछड़े पसमादा मुसलमानों की सहभागिता बढ़ेगी। वक्फ अधिनियम में कई खामियां थीं, जो इस संशोधन के बाद दूर होंगी। विपक्ष चंद लोगों के स्वार्थ को पूरा करने के लिए पूरे मुस्लिम समाज का अहित करने पर

हिजाब, नकाब, बुर्का बैन पर बड़ा फैसला, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-तिलक, बिंदी को छूट क्यों?

अदालत ने कहा कि लड़कियों को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने केंद्र में कॉलेज प्रशासन से कहा कि छात्रों को यह चुनने की आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें



एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई के एक कॉलेज द्वारा जारी उस संकुल पर रोक लगा दी, जिसमें उसके परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी और इसी तरह की पोशाक

पहनने पर प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, अदालत ने कहा कि लड़कियों को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा

सकती। पीठ ने केंद्र में कॉलेज प्रशासन से कहा कि छात्रों को यह चुनने की आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपको अचानक पता चलता है

कि देश में कई धर्म हैं। न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या आप कह सकते हैं कि तिलक लगाने वाले किसी व्यक्ति को अनुमति नहीं दी जाएगी? यह आपके निदेशों का हिस्सा नहीं है? शीर्ष अदालत जून से

बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने प्रतिबंध लागू करने के कॉलेज के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। विज्ञान डिग्री पाठ्यक्रम के दूसरे और तीसरे वर्ष में नामांकित नौ महिला छात्रों ने कॉलेज के निर्देश को इस आधार पर चुनौती दी थी कि यह उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, जिसमें उनके धर्म का पालन करने का अधिकार, गोपनीयता का अधिकार और पसंद का अधिकार शामिल है। अदालत ने कहा कि लड़कियों को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने केंद्र में कॉलेज प्रशासन से कहा कि छात्रों को यह चुनने की आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपको अचानक पता चलता है कि देश में कई धर्म हैं।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थिति की निगरानी के लिए केंद्र ने पैनल बनाया, पूर्वी कमान के एडीजी करेंगे अध्यक्षता



एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक पैनल का गठन किया। शाह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बांग्लादेश में चल रहे हालात के मद्देनजर, मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संचार चैनल बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्री ने कहा कि समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पड़ोसी देश में अशांति के कारण जारी हवाई अलर्ट के बीच, पश्चिम बंगाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से बांग्लादेशियों के एक बड़े समूह की घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ ने करीब 120-140 बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह को रोकना, जो पश्चिम बंगाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, इस सप्ताह के प्रारंभ में ढाका में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद से ही सुरक्षाबल हवाई अलर्ट पर हैं। पत्थर इकट्ठा करने के लिए मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में घुसने के बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह के प्रयास को विफल कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि बुधवार दोपहर को करीब पांच-छह नौकाओं में सवार बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह ने पत्थर इकट्ठा करने के लिए जिले के रानीकोर इलाके में नदी के किनारे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की। संचार चैनल बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्री ने कहा कि समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे।

सांसद बना रहेगा अमृतपाल सिंह, सदस्यता खत्म करने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज



एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह के पंजाब के खड्ड साहिब से सांसद चुने जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने न्यायमूर्ति बी आर गवई

और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष दावा किया कि संविधान का अनुच्छेद 84 संसद की सदस्यता के लिए योग्यता से संबंधित है और कहता है कि कोई व्यक्ति संसद में सीट भरने के लिए चुने जाने के योग्य नहीं होगा जब तक कि वह वहां का

नागरिक न हो। व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि इस मामले में, प्रतिवादी संख्या चार (अमृतपाल सिंह) ने कहा था कि वह भारत के संविधान के प्रति निष्ठा नहीं रखता है। पीठ ने कहा कि आप चुनाव याचिका दायर करें। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह खड्ड साहिब निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता नहीं है, लेकिन सिंह द्वारा पहले दिए गए बयानों से वह हगहरा आहत हुआ है। पीठ ने कहा कि यह सबूत का मामला है। वहां प्रक्रियाएं निर्धारित हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रावधान हैं। पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए इसे खारिज कर दिया।

अयोध्या गैंगरेप के आरोपियों के डीएनए टेस्ट के लिए यूपी पुलिस कोर्ट से अनुमति मांगेगी



एजेंसी

उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 12 वर्षीय लड़की के साथ गैंगरेप के आरोपियों के डीएनए टेस्ट के लिए पुलिस ने कोर्ट में कागजी कार्रवाई शुरू कर दी है। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद पुलिस आरोपी मोहन खान और राजू खान का डीएनए टेस्ट कराएगी। 130 जुलाई को अयोध्या पुलिस ने समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी मोहन खान को गिरफ्तार किया था। मोहन खान बेकरी चलाते हैं। उन पर नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप करने और उसे गर्भवती करने

का आरोप है। मोहन खान को बेकरी में काम करती थी। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में इलाज के लिए भर्ती रेप पीड़िता के गणनायक का संपल भी रखा गया है। जांच अधिकारी को कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद डीएनए टेस्ट कराया जाएगा।

वक्फ बिल में पहले से ही 2 महिला मेंबर्स की मौजूदगी, नाम गिनाकर पूर्व सदस्य ने मोदी सरकार के नए बिल पर किए हैरान करने वाले खुलासे



एजेंसी

नई दिल्ली: सदन में 8 अगस्त को वक्फ बिल लोकसभा में पेश हुआ और इस पर जोरदार बहस भी हुई। इसके बाद जो कुछ भी हुआ उसका सार गालिब के शेर में है। जैसा कि तय था कि इंडिया गठबंधन ने बिल का विरोध किया। कांग्रेस, सपा, एनसीपी शरद पवार, एआईएमआईएम, टीएमसी, सीपीआईएम और डीएमके ने हंगामा किया। सपा सांसद ने तो खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि सरकार ने इसमें कोई बदलाव किया तो लोग सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इन

सब के बीच मोदी सरकार ने इस बिल को जेपीसी यानी ज्वॉइंट पार्लिटमेंट्री कमेटी के पास भेज दिया। यानी विपक्ष जो इल्जाम लगा रहा था कि हमसे राय नहीं ली गई। अब इस कमेटी में सब पक्ष अपनी राय रख सकते हैं। वक्फ बोर्ड को लेकर सरकार द्वारा लागू हुए बिल में कुल 40 बदलाव प्रस्तावित हैं।

'आपका टोन सही नहीं', राज्यसभा में जगदीप धनखड़ और जया बच्चन के बीच नोकझोंक, विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली: कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने शुक्रवार दोपहर को एक बार फिर राज्यसभा से समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन के समर्थन में वॉकआउट किया और उच्च सदन में 'जया अमिताभ बच्चन' विवाद की पुनरावृत्ति का विरोध किया। समाजवादी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लाक का हिस्सा है और इसने उत्तर प्रदेश में भाजपा को 80 सीटों में से सिर्फ 33 (62 से कम) पर सीमित



करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शुक्रवार को उच्च सदन में भारी हंगामे

के बीच उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की

समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन से तीखी नोकझोंक हुई। हंगामे के दौरान धनखड़ ने विपक्षी सांसदों पर संविधान और लोकतंत्र के प्रति अनादर दिखाने का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने जया अमिताभ बच्चन को सदन को संबोधित करने के लिए बुलाया। संसद में धनखड़ के लहजे पर बच्चन ने सवाल उठाए, जिस पर राज्यसभा के सभापति ने उन्हें फटकार लगाई। बच्चन ने अपनी असहमति जताते हुए कहा कि मैं जया अमिताभ बच्चन कहना चाहती हूँ कि एक कलाकार हूँ।

भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र समिति बनाई



एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही कराये जाने के बड़े तैयारी के बीच तमाम राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारियों में जुट गये हैं। इस क्रम में भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लिए घोषणापत्र तैयार करने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव सुनील शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में कहा कि एक राजनीतिक दल के रूप

में भाजपा जम्मू-कश्मीर में अगले जिसके लिए तैयारी काफ़ी पहले से शुरू कर दी गई है। सुनील शर्मा ने कहा,

"चुनाव कराना भारत के चुनाव आयोग का विशेषाधिकार है और एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा किसी भी समय चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।" प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोलते हुए, बीजेपी नेता ने कहा कि हम "लोगों की आकांक्षाओं के आधार पर एक जन-समर्थक चुनाव घोषणापत्र बनाने जा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक बीजेपी के पास ग्राउंड रिपोर्ट तैयार होगी और वह इसे दिल्ली मुख्यालय को भेज देगी।

यथा मनीष सिसोदिया की केजरीवाल मंत्रिमंडल में होगी वापसी? AAP ने साफ कर दिया रुख



एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली के मंत्री सोरभ भारद्वाज ने घोषणा की है कि जमानत पर रिहा होने के बाद मनीष सिसोदिया फिर से दिल्ली कैबिनेट में शामिल होंगे। हिरासत में लिए गए सिसोदिया वापस आने पर अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को फिर से संभालेंगे। इस बीच, अरविंद के जेरीवाल का स्वागत "सत्य की जीत" के रूप में किया। पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने दिल्ली के शिक्षा

सच को जीत है, अदालत का फैसला तानाशाही पर तमाचा है। उन्होंने कहा कि सिसोदिया को राजनीतिक प्रतिशोध के तहत जेल में डाला गया; इससे हमारी पार्टी को और मजबूती मिली। सिंह ने कहा कि सिसोदिया को जीवन के 17 माह जेल में बर्बाद हो गए; वह इस समय का उपयोग बहुत कुछ अच्छा करने में कर सकते थे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अरविंद के जेरीवाल, सत्येंद्र जैन को भी न्याय मिलेगा और वे जल्द ही जेल से बाहर आएंगे। संजय सिंह ने कहा कि जांच एजेंसियों का मकसद मामलों की जांच करना नहीं बल्कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाना है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल, सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को भारतीय जनता पार्टी ने जेल भेजा, दिल्ली की जनता नफरत की उनकी राजनीति का जवाब जरूर देगी। सिसोदिया को जमानत मिलने पर आप नेता गोपाल राय ने कहा कि खुशी है।

पहले मां को जेल, फिर बेटी की नौकरी गई, अब पूजा के पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज,

नई दिल्ली: पुलिस ने पुणे जिले में एक लोक सेवक को धमकी देने और कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालने के आरोप में पूर्व आईएसएस प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिल्ली खेडकर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने कहा कि शिकायत में कहा गया है कि पूजा खेडकर की सहायक कलेक्टर के रूप में पोस्टिंग के दौरान, दिल्ली खेडकर ने कथित तौर पर तहसीलदार दीपक अकाडे के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया, उनसे अपनी बेटी के लिए एक केबिन आवंटित करने के लिए कहा, जबकि उन्हें प्रशासनिक कामकाज में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं था। पुणे में पौड पुलिस द्वारा दायर आपराधिक धमकी के



मामले में एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी दिल्ली खेडकर पर भी मामला दर्ज किया गया था, जिसमें

उनकी पत्नी मनोरमा पर भूमि विवाद को लेकर मुलाशी इलाके में एक व्यक्ति पर बंदूक तानने का आरोप लगाया गया था। उस मामले में दिल्ली खेडकर को अग्रिम जमानत दे दी गई थी, जबकि उनकी पत्नी मनोरमा, जिन्हें पुणे ग्रामीण

पुलिस ने गिरफ्तार किया था, को हाल ही में अदालत ने जमानत पर रिहा कर दिया था। सच लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में पूजा खेडकर का चयन रद्द कर दिया और उन्हें भविष्य की सभी परीक्षाओं और चयनों से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया। दिल्ली में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद से वह फिलहाल लापता हैं क्योंकि उन पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के लिए अपने आवेदन में 'गलत जानकारी पेश करने' का आरोप है। 2023 बैच की अधिकारी पर पुणे जिला कलेक्टर में अपने प्रशिक्षण के दौरान उन लाभों और सुविधाओं की मांग करके शक्ति और विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप है, जिनको वह हकदार नहीं थी।

गांधीवादियों के देश में गोडसेवादी और सावरकर के अनुयायियों को पनपने से रोकना होगा: शकील अहमद खान कांग्रेस ने अगस्त क्रांति दिवस पर निकाली तिरंगा यात्रा, अमर शहीदों को किया नमन



राजापुर, बोरिंग रोड चौराहा, हाईकोर्ट मोड़, वीरचंद पटेल पथ होते हुए विधान सभा गेट के सामने स्थित शहीद स्मारक पर आकर श्रद्धांजलि सभा सह प्रतिज्ञान कार्यक्रम में तैयारी हुई। शहीद स्मारक पर माल्यार्पण के बाद विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, सेवादल के मुख्य संघटक डॉ संजय यादव कर रहे थे। सेवादल के द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा सदाकत आश्रम से होकर एलसीटी घाट

जाती हुई लड़ाई को स्थापित रख सकेंगे कार्यक्रम में कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, कौकब कादरी, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, संजीव प्रसाद टोनी, नरेन्द्र कुमार, विधायक प्रतिमा कुमारी दास एवं नीतू सिंह, राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल, बंटी चौधरी, भावना झा, मनोज कुमार सिंह, अमिता भूषण, डॉ0 हरखु झा, आनन्द माधव, शरवत जहाँ फातिमा, डॉ0 संजय यादव, ज्ञान रंजन, नागेन्द्र कुमार विकल, डॉ0 अजय कुमार सिंह, आलोक हर्ष, राजेश कुमार सिन्हा, शशि रंजन, आशुतोष शर्मा, केसर कुमार सिंह, कमलदेव नारायण शुक्ला, शशिकांत तिवारी, मिनत रहमानी, संजय मिश्रा, स्नेहाश्रीष वद्वान पाण्डेय, सुव्यु शर्मा, विमलेश तिवारी, गुरुजीत सिंह, वसी अख्तर, उदय शंकर पटेल, सौरभ सिन्हा, सिद्धार्थ क्षत्रिय, सुनील कुमार सिंह, रूचि सिंह, मनोज मेहता, दुर्गा प्रसाद, प्रदुमन यादव, नीतू सिंह निपाद, कामरान हुसैन, कुदैन गुप्ता, मृणाल अनामय,।

निवेश प्रोत्साहन, मध्यम वर्ग और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर मोदी सरकार द्वारा कर सुधार किए गए हैं :- अरविन्द सिंह



संवाददाता पटना, 9 अगस्त : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग को टैक्स में राहत मिलती रहे। इसी क्रम में मोदी सरकार ने टैक्स में कटौती और स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। स्रोतों पर कर कटौती (टीडीएस) के नियमों को भी सरल किया गया है। इन कदमों से करदाताओं को अतिरिक्त बचत होगी। निवेश प्रोत्साहन, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के साथ ही मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर मोदी सरकार द्वारा इस बार के बजट में कर सुधार पेश किए गए हैं। इसी कड़ी में आयकर अधिनियम, 1961 को संशोधित और पढ़ने में आसान बनाने के लिए 6 महीने के भीतर समीक्षा को लागू किया जायेगा जिससे विवादों और मुकदमेबाजी में कमी आएगी एवं करदाताओं को कर में निश्चिन्ता मिलेगी। धर्मार्थ संस्थाओं के कर संबंधी प्रावधानों, टीडीएस रेट व्यवस्था, रिओपनिंग, पुनः निर्धारण एवं संचय के प्रावधान और कैपिटल गेन

बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया गया है। पहले जहाँ 3 लाख रुपये से 6 लाख रुपये तक 5 फीसदी कर देना होता था, अब अगर आप एक लाख रुपये ज्यादा यानी 7 लाख रुपये तक कमाते हैं तो भी 5 फीसदी की कर देना होगा। इसी तरह कोई व्यक्ति अगर 9 से 10 लाख रुपये कमाता है तो उसे इस पर 10 फीसदी कर देना होगा जबकि पहले इस एक लाख रुपये पर उसे 15 फीसदी कर देना होता था। नई कर व्यवस्था में इस तरह के किए गए संशोधनों से वेतनभोगियों को आयकर में 17,500 रुपये की बचत होगी।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय के अतिथि गृह परिसर एवं कुलपति आवास परिसर में वृहद पौधारोपण किया गया



वरिष्ठसंवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ बिहार पृथ्वीदिवस के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर परमेश्वर कुमार वाजपेई और वन प्रमंडलीय पदाधिकारी श्री राम सुंदर एम की गरिमामयी उपस्थिति में आज जयप्रकाश विश्वविद्यालय छात्र राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वन विभाग बिहार सरकार छात्रा के संयुक्त तत्वावधान में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के अतिथि गृह परिसर एवं कुलपति आवास परिसर में वृहद पौधारोपण किया गया इस अवसर पर प्रोफेसर परमेश्वर कुमार वाजपेई माननीय कुलपति महोदय एवं श्री राम सुंदर एम वन प्रमंडलीय पदाधिकारी ने अपने कर कमलों से पौधारोपण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष एवं सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों तथा छात्रों ने भी अपनी मां के नाम पर एक एक पौधा लगाया प्रोफेसर हरिश्चंद्र समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने सबका स्वागत किया माननीय कुलपति महोदय ने बिहार पृथ्वीदिवस के अवसर पर पंचांग, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से आये ग्यारह सूत्रीय संकल्प की शपथ दिलवाया इस अवसर पर प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह संकायाध्यक्ष, प्रोफेसर कृष्ण कुमार संकायाध्यक्ष, प्रोफेसर अशोक कुमार संकायाध्यक्ष साईन, प्रोफेसर राम नरेश राय अध्यक्ष स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, प्रोफेसर सिद्धार्थ प्रोफेसर अजय कुमार प्रोफेसर महेंद्र सिंह अध्यक्ष स्नातकोत्तर भौतिक विज्ञान विभाग, प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार सिंह अध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग, प्रोफेसर बिरेंद्र कुमार

जांच, परख और निरंतर समीक्षा से विकास कार्य को दी जा रही है गति- सम्राट

संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ विकास कार्यों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा व समीक्षात्मक बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री ने दिए कई निर्देश

बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल पहुंचे किशनगंज, कार्यकर्ताओं ने स्वागत में बरसाए फूल

पटना, 09-08-2024 उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को मोतिहारी परिसर दल स्थित ह्यसभा कक्ष में विकसित बिहार के लिए "सात निश्चय पार्ट-2" के तहत क्रियान्वित होने वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों की वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें सभी माननीय जनप्रतिनिधिगण की भी विशेष उपस्थिति रही इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विकास कार्यों से सम्बंधित कई निर्देश भी दिए। श्री चौधरी ने कहा कि केंद्र और बिहार में चल रही एनडीए की डबल इंजन की सरकार का मुख्य फोकस विकास कार्यों को जमीन पर उतरना है। केंद्र सरकार ने जिस तरह से इस बार के

संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ सम्मान पाकर भावुक हुए भाजपा अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा, 'स्नेह ने भावविभोर कर दिया'

संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ कार्यकर्ताओं के जोश और उत्साह से पार्टी और मजबूत होगी : डॉ दिलीप जायसवाल



पटना, 9 अगस्त। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के भूमि सुधार और राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल आज अपने जिला दौरा कार्यक्रम के क्रम में किशनगंज पहुंचे। यहां पार्टी कार्यालय में उनका कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यकर्ताओं ने अपने अध्यक्ष पर फूल बरसाए भाजपा कार्यालय में प्रेस अध्येक्ष श्री जायसवाल काफी देर तक रुके और कार्यकर्ताओं से मंत्रणा की। उन्होंने बजट में बिहार के लिए 59 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि का प्रावधान किया है, उससे स्पष्ट है कि बिहार का विकास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की

यहां कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर भाजपा के महारूपों का आदर्शपूर्ण नमन किया कार्यकर्ताओं के प्रेम, उत्साह और स्नेह से भावुक प्रदेश अध्यक्ष डॉ जायसवाल ने कहा कि आप सबसे मिला स्नेह और सम्मान मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। समस्त कार्यकर्ताओं का उन्होंने आभार भी

संगठन के आगामी कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। यहां संगठन का हर कार्यकर्ता अपने कर्तव्यों के प्रति संकल्पित रहता है। हम सबको मिलकर राष्ट्र के विकास और संगठन को सुदृढ़ बनाने के लिए हमेशा तत्पर रहना है। बिटक में प्रदेश मंत्री अनिल ठाकुर, पूर्व विधायक सिक्ंदर सिंह, जिलाध्यक्ष सुशांत गोप, जिला प्रभारी मनोज सिंह, लोकसभा प्रभारी प्रफुल्ल रंजन वर्मा, क्षेत्रीय प्रभारी स्वदेश यादव एवं सह प्रभारी नरेश शाह भी उपस्थित रहे। अपने किशनगंज के दौरे के क्रम में आज नाग पंचमी के अवसर पर धर्मगंज स्थित लोकेश्वरनाथ शिव मंदिर में देवों के देव महादेव का जलाभिषेक किया व समस्त बिहार के लिए सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

नौचंदी के अवसर पर हजरत अब्बास अः सः का अलम ए मुबारक निकालकर कर्बला के 72 शहीदों को याद किया गया

वरिष्ठसंवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ शकील हैदर छपरा, शहर के नए बाजार स्थित स्वर्गीय मुबारक हुसैन साहब के इमामबाड़ा में अंजुमन ए अल्ब्रासिया के तत्वाधान में सफर माह में नौचंदी के अवसर पर हजरत अब्बास अः सः का अलम ए मुबारक निकालकर कर्बला के 72 शहीदों को याद किया गया। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर से आए मौलाना जनाब सैयद अब्दुल अली ने अपने बयान में कहा की कर्बला में हजरत इमाम हुसैन अः सः और यजीदी फौज के बीच जो जंग हुई उसकी मिशाल पूरी दुनिया में मौजूद है। अभी भी हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 शहीदों को मानने वाले लोग की कमी नहीं। आए दिन आजाददारी की संस्था बढ़ती ही नजर



आ रही है इमामबाड़ा में फर्श ए अजा बिछाकर औरत और मर्द सभी लोग छिड़ी हुई मास्क और जले हुए खेमों का बाँबी फातिमा को अपने गम का इजहार कर पुरसा देते है। दाउद अली ने कहा की कर्बला में शहिद 6 माह का दूध मुहा बच्चा तीन दिनों तक घ्यासा रखकर यजीदी फौज ने उसे

है लेकिन यजीदी फौज का नाम ओ निशान मित गया। दाऊद ने कहा की हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों ने इस्लाम की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। मजलिस की शुरुआत कैसर अली के सोज पढ़कर की मजलिस में अनवर अली, शकील हैदर, इमिनयाज हैदर, परवेज अहमद, बबलू राही, नाजिहा इमाम, ने अपना अपना कलाम पढ़ा इस अवसर पर देवत, ताहा, राशिद हैदर, मोहम्मद, काजिम अली, नजफ अली, आमिर रिजवी, कौसर आदि लोगो ने हाय हुसैन हाय हुसैन की सदा लगाकर मातम कराया। इस अवसर पर बच्चे बूढ़े जवान सभी ने चढ़कर हिस्सा लिया। मजलिस के बाद अंजुमन ए अल्ब्रासिया के मातम दारो ने नजरो मौला का भी इंतजाम किया था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ शकील हैदर मुख्य समारोह राजेन्द्र स्टेडियम में, अपराह्न में फैंसी फुटबॉल मैच तथा संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन



सारण, छपरा, 09 अगस्त, 2024 आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर आज जिलाधिकारी श्री अमन समीर विवरित किया जायेगा इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में बैठक आहूत की गई। मुख्य समारोह का आयोजन राजेन्द्र स्टेडियम, छपरा में किया जायेगा जिसमें प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा झंडोत्तोलन किया जायेगा। मुख्य समारोह स्थल पर सभी तरह की तैयारियों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा

निदेश दिया गया। मुख्य समारोह में सम्मान कार्यक्रम के तहत कुछ पात्र लोगों के बीच वासभूमि का पर्चा वितरित किया जायेगा इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्कृष्ट प्रदर्शन /कार्य करने वाले सरकारी कर्मियों एवं गैर सरकारी लोगों को भी सम्मानित किया जायेगा। मुख्य समारोह के उपरान्त महादलित टोलों में आयोजित झंडोत्तोलन समारोह में सभी वरीय पदाधिकारी शिरकत करेंगे। अपराह्न में फैंसी फुटबॉल मैच खेला जायेगा। संध्या में भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वादन, शास्त्रीय नृत्य, लोकगीत, लोकनृत्य, लघु नाटिका जायेगा। मुख्य समारोह के उपरान्त विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा किया जायेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुत हेतु।

मकान निर्माण के दौरान मिली धमकी

संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ मो खुशींद हूसैनगंज। थाना क्षेत्र के गोपालपुर रोजा माड़ के समीप भवन निर्माण को लेकर धमकी मिलने का आरोप लगाते हुए एक पक्ष से रफीपुर निवासी बनारसी प्रसाद ने आवेदन दिया है। उन्होंने बताया की उनकी पत्नी कमलावती देवी और भाई मंजु कर्पूर के नाम से खरीदे 4 कड्डा जमीन पर भवन निर्माण के दौरान धमकियां मिल रही हैं। इस जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच पूर्व से बाद विवाद चल रहा था। इसी दौरान एक पक्ष के द्वारा भूमि पर भवन निर्माण का काम कराया जा रहा था। जहां दूसरे पक्ष के ओर से काम नहीं करने एवं अज्ञान भुगतने की

मवेशी के विवाद में मारपीट की प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ, मो खुशींद हूसैनगंज। थाना क्षेत्र के सहली दक्षिण टोला को एक महिला ने आवेदन देकर अपनी सास व व नन्द नंदोई समेत छह लोगों पर मारपीट करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन के माध्यम से बताया कि 2 अगस्त को उनकी सास ने उनकी पाले हुए पशु को बटाई पर दे दिया था जिसे वो जाकर वापस ले आई। इसी बात पर दूसरे पक्ष के द्वारा गली गली और मारपीट की गई। मारपीट के क्रम में पहले हुए गहने और पर्स में रखा रुपया भी छीन लिए। मारपीट में घायल हुए लोगों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हूसैनगंज में कराया गया। इस संबंध में हूसैनगंज में एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। धमकी मिली। बनारसी प्रसाद ने कहा की मकान निर्माण के लिए रखी गई सेंटेंरिंग को भी आग से क्षतिग्रस्त किया गया है।

डीएम ने जनता दरबार में 62 लोगों की फरयाद सुनी



सीतामढ़ी : डीएम रिची पाण्डेय ने जनता दरबार कार्यक्रम में परिवारियों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना। कुल 62 परिवारों आज जनता दरबार में आए। डीएम द्वारा बारी-बारी से सभी परिवारियों से मुलाकात की गई एवं उनके समस्याओं को सुना गया जनता दरबार में अधिकांश मामले अतिक्रमण, भूमि विवाद, आपसी विवाद, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, विद्युत, पीएचई डीएच एवं अन्य विभागों से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रात जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रात जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रात जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य से संबंधित थे।

मोतिहारी में जदयू के मजबूत स्तंभ मोहम्मद तमन्ना कई अन्य नेताओं के साथ राजद का दामन थामा

वरिष्ठसंवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ कफील एकबाल मोतिहारी 9 अगस्त जद यू के जाने-माने नेता एवं फिल्म निर्माण से जुड़े मोहम्मद तमन्ना ने कई दिग्गज नेताओं के साथ राजद का दामन थामा। पटना में इन लोगों ने तेजस्वी यादव से मिलकर राजद में विश्वास व्यक्त किया तथा प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने सभी को सदस्य बनाकर पार्टी के लिए कार्य करने की जिम्मेदारी दी। इस बावत मोहम्मद तमन्ना ने मोतिहारी में बताया कि राजनीत में हर नेता अपना भविष्य देखता है हमने भी अपना भविष्य राजद में देखा और कल पटना में सदस्यता ग्रहण किया। मोहम्मद तमन्ना ने बताया की बिहार में रजत का मजबूत जन आधार है तथा हर जाति धर्म



में के लोगों के अंदर रजत के प्रति विश्वास है और सभी लोग तेजस्वी यादव के प्रति भाव को माना है और उनके नेतृत्व में बिहार को आगे बढ़ता हुआ देखा चाहते हैं श्री तमन्ना ने कहा की मैं जानता का सेवक हूँ और सेवा करने के लिए ही राजद में आया हूँ यहां आकर मुझे ऐसा एहसास होता है कि मैं अपने मूल घर में

आ गया हूँ। उन्होंने कहा कि हमारे साथ पूर्व कानून मंत्री जनाब अन्कृष्ट शर्मा अहमद साहब हमारे गार्जियन के रूप में सभी प्रोग्राम में हमारे साथ रहे। हमारे साथ राजद ज्वाइन करने वालों में हमारे भाई मोहम्मद इशतियाक, शिबू अहमद, अख्तर अंसारी मो नौशाद आदि मौजूद रहे।

बेली रोड, पटना में आज स्वर्ण तीर बैज 2024 के संदर्भ में बुलबुल के लिए आयोजित तीन दिवसीय हीरक पंख का आयोजन



विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पटना, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, बेली रोड, पटना में आज स्वर्ण तीर बैज 2024 के संदर्भ में बुलबुल के लिए आयोजित तीन दिवसीय हीरक पंख पुनः परीक्षण शिविर का शुभारम्भ हुआ 09 अगस्त से 11

अगस्त 2024 तक संचालित होने वाले इस शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के वरिष्ठतम प्राचार्य श्री प्रदुमन कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में पटना संभाग के 30 विद्यालयों के 134 छात्राओं एवं 32

अनुरक्षिकाओं के साथ-साथ काफी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उल्लासपूर्वक भाग लिया। मौके पर शिविर नायक श्रीमती मधुलिका मधु मुख्य परीक्षक श्रीमती वंदना गुप्ता एवं सहायक परीक्षक श्रीमती कुमारी अनुपमा सिन्हा, श्रीमती कंचन कुमारी एवं सुश्री अंजू आदि भी



उपस्थित रही। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्राचार्या श्रीमती मधु कुमारी ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से समस्त अतिथियों, अधिकारियों, अनुरक्षिकाओं एवं बुलबुल के प्रति अपने हार्दिक सम्मान भाव को व्यक्त किया तथा शिविर में भाग लेने वाली छात्राओं के

उज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि सह प्राचार्य श्री प्रदुमन कुमार सिंह ने अपने आशीर्षक के क्रम में शिविर की उपयोगिता एवं महत्ता से बुलबुल को अवगत कराया तथा नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार ही छात्राओं को सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया उन्होंने

उन्हें एक अनुशासित जीवन जीने, अपने कर्म के प्रति ईमानदार रहने तथा आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाने की सीख दी। उप-प्राचार्य श्री राजीव रंजन सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के बाद इंडोतोलेन के साथ ही उद्घाटन सत्र उल्लासमयी वातावरण में संपन्न हुआ।

ब्रीफ न्यूज

वक्फ बिल: मुस्लिम पर्सनल लॉ और धार्मिक स्वायत्तता को सीधी चुनौती



विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नई दिल्ली, अगस्त 2024: अगस्त 2024 में वक्फ बिल के परिचय ने मुस्लिम समुदाय और कानूनी विशेषज्ञों के बीच तीव्र विवाद पैदा कर दिया है। यह बिल, जिसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार करना है— जो मुसलमानों द्वारा धार्मिक, शैक्षिक, या धार्मिक उद्देश्यों के लिए दी गई हैं—को खुले आम शरीयत के कानून में हस्तक्षेप और समुदाय के अधिकारों का सीधा उल्लंघन माना गया है। सरकार इस बिल का बचाव करते हुए कहती है कि यह वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, और दक्षता में सुधार करेगा। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह बिल अपनी सीमाओं को लांघता है, राज्य को वक्फ संपत्तियों पर असाधारण नियंत्रण देता है और मुस्लिम समुदाय की पारंपरिक स्वायत्तता को कमजोर करता है। बिल का एक विशेष रूप से विवादास्पद पहलु यह है कि वक्फ संपत्तियों की निगरानी के लिए एक केन्द्रीय प्राधिकरण की स्थापना का प्रस्ताव दिया गया है। कानूनी विशेषज्ञ चेतवानी देते हैं कि यह कदम संवैधानिक अधिकारों, विशेष रूप से धार्मिक स्वतंत्रता और धार्मिक समुदायों के अपने संस्थानों को स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करने के अधिकार का उल्लंघन कर सकता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (अक्टूबर) ने इस बिल का कड़ा विरोध किया है, और कहा है कि यह इस्लामी सिद्धांतों के विपरीत है और समुदाय के आत्म-शासन के अधिकार को कमजोर करता है। अक्टूबर जोर देता है कि वक्फ संपत्तियां धार्मिक ट्रस्ट हैं, जो पवित्र होती हैं, और उन्हें शरीयत के अनुसार प्रबंधित किया जाना चाहिए, न कि राज्य के नियंत्रण में। समुदाय के नेता और कानूनी विशेषज्ञ बिल में व्यापक परामर्श और संशोधन की मांग कर रहे हैं, सरकार से अपील कर रहे हैं कि वह मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं और कानूनी अधिकारों पर विचार करे। अक्टूबर ने चेतवानी दी है कि अगर यह बिल अपनी वर्तमान रूप में पारित हो गया तो इसके परिणामस्वरूप देशव्यापी अशांति और कानूनी चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जिसका सामाजिक ढाँचे पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। जैसे-जैसे चर्चा जारी है, सरकार पर अक्टूबर और अन्य हितधारकों द्वारा उठाए गए गंभीर चिंताओं का समाधान करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। वक्फ बिल के चारों ओर विवाद भारत के विविध समाज में राज्य हस्तक्षेप और धार्मिक स्वायत्तता के संरक्षण के बीच चल रहे तनाव को उजागर करता है। आने वाले हफ्ते महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि देश सरकार के इन चिंताओं पर प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है।

पशु तस्करी के खिलाफ सारण पुलिस व प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 97 मवेशियों को बरामद कर 12 पशु तस्करी को किया गया गिरफ्तार।



संवाददाता
जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशानुसार जिलान्तर्गत पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पशु तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक-08.08.2024 को अंचलाधिकारी दिव्यारा द्वारा अवतारनगर थाना को सूचित किया गया कि छपरा से 02 ट्रकों से भारी संख्या में मवेशियों को अवैध रूप से परिवहन/तस्करी किया जा रहा है। उक्त सूचना पर आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुए अवतारनगर थाना पुलिस टीम द्वारा एन0एच-19 स्थित बोधा छपरा टोल प्लाजा पर सघन वाहन चेकिंग करते हुए मवेशियों से लदा 02 ट्रकों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। वाहन की तलाशी एवं जाँच के क्रम में दोनों ट्रकों में कुल 62 गाय तथा 35 बछड़ों को बरामद किया गया। साथ ही इस तस्करी में सलिलप कुल 12 तस्करी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता:-
1.दिनेश राय, पिता चनर राय, सा0 रामचौरा, थाना नगर, जिला-कटिहार।
2.पप्पु कुमार, पिता नाजरी, राय, सा0 रामचौरा, थाना नगर, जिला-कटिहार।
3.विकास कुमार, पिता लालबाबु राय, सा0 रामचौरा, थाना नगर, जिला-कटिहार।
4.प्रदुमन कुमार, पिता नाजरी राय, सा0 रामचौरा, थाना नगर, जिला-कटिहार।
5.मो0 मस्करु आलम, पिता मो0 युसुफ, सा0 मनसाही, थाना मनसाही, जिला-कटिहार।
6.मो0 अनुरुल, पिता स्व0 फैजुद्दीन, सा0 मनसाही, थाना मनसाही, जिला-कटिहार।
7.सुनील झा, पिता स्व0 प्रताप झा, सा0 मनसाही, थाना मनसाही, जिला-कटिहार।

बैंक लूटने आरा पहुंचा समस्तीपुर का यह कुख्यात गिरफ्तार, उड़ाये 2 लाख 70 हजार



विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर का कुख्यात बैंक लूटेरा अपने अन्य दो साथियों के साथ आरा पहुंचा, जिसे भोजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की रात गिरफ्तार कर लिया है। तीनों ही अपराधी बैंक लूटने की फिराक में आरा आए थे। इससे पहले भी इनका गिरोह पांच जिलों में बैंक और उड़क की लूट की घटना को अंजाम दे चुके हैं। इसके बाद छठी बार बैंक लूटने की मंशा से अपने टीम के साथ

आरा आया हुआ था, जिसे भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी है। जानकारी के अनुसार इसमें से एक युवक समस्तीपुर नगर थाना क्षेत्र के मारवाडी बाजार स्थित स्टेट आफ इंडिया शाखा में वृद्ध के झोले में ब्लेड मारकर 2 लाख 70 हजार रुपये चुराने के मामले में भी शामिल था। समस्तीपुर नगर थाना की पुलिस ने उसके समस्तीपुर स्थित घर से 13 हजार रुपये भी बरामद किए हैं।

पृथ्वी दिवस पर शिक्षक, छात्र ने विद्यालय में पौधा लगाए और शपथ लिए ग्यारह सूत्री संकल्प का।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ
सवान महाराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 9 अगस्त शुक्रवार। दुरौंधा प्रखण्ड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इंटर कॉलेज सवान विग्रह में शिक्षक श्री राकेश रंजन के नेतृत्व में शिक्षक, और छात्र ने पृथ्वी दिवस के मौके पर विद्यालय में पौधा लगाकर कृतिमान हासिल की। वही विद्यालय के सभी शिक्षक और छात्र ने शपथ भी ली। शपथ में सभी ने एक वर्ष में एक पौधा जरूर लगाने की शपथ ली। और अपने आस पास साफ सफाई, रखने से बचकर जल बर्बाद न करने, जीव, जंतु पक्षी पशु की रक्षा करने, खुले में शौच नहीं करने की शपथ ली। और जो भी मानव के लिए लिए लाभुक वस्तु है उससे बचकर बर्बाद नहीं करने का शपथ ली। इस मौके पर विद्यालय के सभी छात्र



स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह बोर्ड मिडिल स्कूल के खेल मैदान में होगा।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ
सिवान महाराजगंज 9 अगस्त शुक्रवार। देश की आजादी के 77 वे स्वतंत्रता दिवस के मौके पर होने वाले इंडोतोलेन का कार्यक्रम बोर्ड मिडिल स्कूल के खेल मैदान में होगा। जहां महाराजगंज अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा इंडोतोलेन किया जायेगा। उसके बाद जिला पुलिस बल के जवान और महाराजगंज के विभिन्न स्कूलों के छात्र द्वारा तिरंगे को सलामी दी जाएगी। इंडोतोलेन से संबंधित रूप रेखा महाराजगंज अनुमंडल कार्यालय के सभागार में बैठक कर तैयार की गई। जिसकी अध्यक्षता महाराजगंज अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनील कुमार ने की। इसके साथ ही महाराजगंज के सार्वजनिक स्थलों पर भी इंडोतोलेन की समय सारिणी निर्धारित की गई। और महाराजगंज नगर पंचायत के इंडोओ को शहर के साफ सफाई करवाने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा दी गई।

और शिक्षक, दूधनाथ साह, धर्मनाथ प्रसाद पिंटू, दुर्गाश कुमार, कन्हैया सिंह, अजमेरी खानू, जागृति, मोहम्मद चुन्नु, गुंजन कुमार, धीरज यादव, रानी कुमारी, अंशिता सिंह, प्रियंका कुमारी, खुशबू कुमारी उपस्थित थे।

बदमाशों ने बाइक सवार से लूटे चार लाख बीस हजार रुपये, दो हिरासत में



विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/मोहनपुर :- समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने बाइक सवार युवक को पिस्टल दिखा जबरन रोक चार लाख बीस हजार रुपया लूट लिए।

वे तीन की संख्या में थे। घटना के बाद तीनों बदमाश अपाचे बाइक पर सवार हो भाग निकले। इसके बाद पीड़ित युवक ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। हालांकि भागने के दौरान बदमाशों ने कुछ दूर जाने के बाद अपनी बाइक को सड़क पर छोड़ दिया पुलिस ने

अंग्रेजों भारत छोड़ो के ऐतिहासिक तिथि 9 अगस्त को जिला कांग्रेस कमेटी ने 82 वी वर्षगांठ मनाई।

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफिल एकबाल
मोतिहारी 9 अगस्त पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अगस्त क्रांति के अवसर पर कांग्रेस कार्यालय परिसर में शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गणू राय ने कहा कि आजादी की लड़ाई में चंपारण के वीर सेनानियों के त्याग और बलिदान का देश हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने चंपारण के देशभक्त आंदोलनकारियों के योगदान की चर्चा विस्तार से की। प्रेस डेविगेट प्रोफेसर विजय शंकर पांडे ने कहा कि देश को आजादी दिलाने हेतु 1932 से ही जिले में सेनानी शहीद होते रहे हैं। जिनकी याद में शहीद स्मारक यहां बना हुआ है। हमें सेनानियों के प्रति काफी मान सम्मान रखनी है। खास करके स्वतंत्रता सेनानी परिवार की सुधि भी हमें लेनी चाहिए कि आज वे किस हालत में हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री इंदिरा गांधी



ने आजादी के 25वें वर्षगांठ पर देश के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया और ताम्रपत्र उन्हें भेंट की साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानी पेंशन भी 1972 में लागू किया जो आज भी जारी है। उक्त अवसर पर उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने शहीद स्मारक के अंदर लगे सेनानियों के नाम वाली सूची पर पुष्प अर्पित कर पर उन्हें नमन किया।

उपस्थित रहने वालों में मुख्य रूप से ओसोदुर रहमान खान ,रामप्रवेश तिवारी ,अरुण पांडे ,विजय कुमार जायसवाल उर्फ मुना जायसवाल,सत्येंद्र नाथ तिवारी, मोहम्मद जिया उल हक ,राजकुमार कुशवाहा ,आबिद हुसैन, मोहम्मद तसलीम खान आदि के अलावा अन्य कई कांग्रेसी थे।

जिलाधिकारी,ने पशुपालन अस्पताल,सहकारिता गोदाम, कल्याण छात्रावास एवं अन्य कई विभागों से संबंधित भूमि से जुड़े मामलों पर बैठक की



संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
जिलाधिकारी श्री योगेंद्र सिंह ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित वॉडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में पंचायत सरकार भवन, पशुपालन अस्पताल,सहकारिता गोदाम, कल्याण छात्रावास एवं अन्य विभागों से संबंधित भूमि से जुड़े मामलों पर बैठक

की। बैठक में सर्वप्रथम पंचायत सरकार भवन से संबंधित भूमि मामलों की चर्चा की गई। इस क्रम में यह पाया गया कि कई पंचायतों में अब तक पंचायत सरकार भवन के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराया गया है जिस पर जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारियों को जमीन उपलब्ध कराने की दिशा में जल्द से जल्द कार्य करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि भूमि चिन्हित करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि उसकी कनेक्टिविटी अच्छी हो तथा वहां जलभराव की समस्या न हो। वही ऐसे मामले भी पाए गए जहां भूमि विवाद के कारण पंचायत सरकार भवन का कार्य बाधित है, ऐसे मामलों में जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि

बिहार पृथ्वी दिवस 09 अगस्त 2024 के अवसर पर मनरेगा अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम



संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

आज दिनांक 09.08.2024 को बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर के नेतृत्व में जिला अन्तर्गत सभी 346 ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण का कार्य वृहत पैमाने पर सम्पन्न हुआ। कुल 346 ग्राम पंचायतों में 84000 पौधा रोपित किया गया। जिला के प्रशासनिक पदाधिकारी, पंचायती राज के जन प्रतिनिधियों के सहभागिता से सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा द्वारा वृक्षारोपण का कार्य कराया गया। इस अवसर पर स्वयंजिला पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा प्रखंड वारिसनगर के ग्राम पंचायत हांसा में विद्यालय के खेल मैदान में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, समस्तीपुर, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, सहायक एवं कार्यपालक अभियंता, मनरेगा, समस्तीपुर द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर के प्रेरणा से विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने भी इस कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया गया। जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा उपस्थित सभी जन प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया गया ताकि पार्यवरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विकास में सब का सहयोग प्राप्त हो सके।

अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं डीसीएलआर स्वयं जाकर इन समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करें ताकि जल्द से जल्द बाधित कार्य शुरू किया जा सके। बैठक में यह भी बताया गया कि पंचायत में सोलर स्ट्रीट लाइट योजना तीन चरणों में चलाई जा रही है। पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है तथा दूसरा चरण शुरू हो चुका है। इस योजना को सुचारु रूप से चलाने के लिए जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को भी इसकी निगरानी रखने का निर्देश दिया। बैठक के क्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा बताया गया पशुपालन कार्यालय परिसर में मापी का कार्य किया जाना था जो कि जलभराव के कारण अब तक नहीं हो पाया है इस पर जिलाधिकारी ने चिंता व्यक्त की एवं जल्द से जल्द मापी का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

महिलाओं और दिव्यांगों को मिलेगी सुविधा, वाटरप्रूफ लिफाफों की भी व्यवस्था



नालंदा। रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए बिहार शरीफ के प्रधान डाकघर ने एक अनूठी पहल की है। यहां एक विशेष महिला काउंटर की शुरुआत की गई है, जो सिर्फ

महिलाओं और दिव्यांगों के लिए राखी बुकिंग की सुविधा प्रदान करेगा। यह कदम त्योहार के दौरान महिलाओं को होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से उठाया

गया है। नालंदा के डाक अधीक्षक कुंदन कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय डाक विभाग रक्षाबंधन के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने जिले



के सभी डाकियों और डाकपालों को इस संबंध में विशेष निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि डाकघर में वाटरप्रूफ लिफाफों की

व्यवस्था की गई है, जिससे राखियों सुरक्षित रहेंगी सावन मास को ध्यान में रखते हुए, डाक विभाग ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। श्री

कुमार ने बताया कि हर सोमवार को जिले के विभिन्न शिवालयों में गंगा जल बिक्री काउंटर लगाए जाते हैं। साथ ही, जिले के सभी डाकघरों में भी गंगाजल उपलब्ध रहेगा। डाक विभाग का मुख्य लक्ष्य है कि रक्षाबंधन से पहले सभी राखियों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है ताकि भीड़ कम हो और लोगों को कार्य जल्द से जल्द पूरा हो सके। प्रधान डाकघर के डाकपाल राजीव रंजन कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस पावन त्योहार पर कोई बहन अपने भाई को राखी भेजने से वंचित न रहे। यह विशेष काउंटर इसी उद्देश्य से शुरू किया गया है।

बिहार के 13 जिलों में मास इग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम



बिहार। राज्य सरकार फाइलरिया मुक्त बिहार के लिए सामूहिक रणनीति के तहत काम कर रही है। पटना में गुरुवार को फाइलरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। अमर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि 10 अगस्त से 13 जिलों में मास इग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस दौरान करीब 3.5 करोड़ लोगों को फाइलरिया रोधी दवा खिलाई जाएगी। इनमें से 8 जिलों (भोजपुर, बक्सर, किशनगंज, मधेपुरा, मधुबनी, नालंदा, नवादा और पटना) में लाभार्थियों को 2 दवा एम्बेडजोल और डी.ई.सी. की खुराक दी जाएगी। शेष 5 जिलों (दरभंगा, लखीसराय, पूर्णिया, रोहतास और समस्तीपुर) में 3 दवाएं एम्बेडजोल, डी.ई.सी. और आइबरमेक्टिन खिलाई जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाएं और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी लोगों को फाइलरिया रोधी दवा प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के सामने खिलाई जाएगी। फाइलरिया रोधी दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। रक्तचाप, शुगर, अर्थरायटिस या अन्य सामान्य रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को भी ये दवा खानी है। सामान्य लोगों को इन दवाओं के खाने से किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव नहीं होते हैं। अगर किसी को दवा खाने के बाद मितली आए, चक्कर जैसे लक्षण होते हैं तो यह संकेत ठीक है। इसका मतलब है कि उस व्यक्ति के शरीर में फाइलरिया के परजीवी मौजूद हैं। किसी प्रकार की कोई कटिनाई होती है तो उससे निपटने के लिए हर ब्लॉक में रैपिड रिस्पांस टीम तैनात रहेगी।

बैंक लूटने आरा पहुंचा समस्तीपुर का कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

समस्तीपुर। का कुख्यात बैंक लूटेरा अपने अन्य दो साथियों के साथ आरा पहुंचा, जिसे भोजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की रात गिरफ्तार कर लिया है। तीनों ही अपराधी बैंक लूटने की फिराक में आरा आए थे। इससे पहले भी इनका गिरोह पांच जिलों में बैंक और CSP की लूट की घटना को अंजाम दे चुके हैं। इसके बाद छठी बार बैंक लूटने की मंशा से अपने टीम के साथ आरा आया हुआ था, जिसे भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी



भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि बुधवार की रात करीब 11 बजकर 15 मिनट पर गुप्त सूचना मिली कि समस्तीपुर जिले का कुख्यात अपराधी मिट्टू तिवारी

अपने गिरोह के सदस्यों के साथ बैंक लूटपाट करने की मंशा से आरा आया हुआ है। गुप्त सूचना का सत्यापन कर एक विशेष टीम का गठन किया गया। वहीं रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर पकड़ी चौक के पास बिना नंबर प्लेट के एक पलसर बाइक पर सवार तीन लोग पुलिस को देखकर रमना मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस ने तीनों अपराधियों को घर दबोचा। पकड़े गए अपराधियों में पहला अपराधी समस्तीपुर जिले के बाजार समिति थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुरापुर गांव का निवासी स्वर्गीय

राज कुमार तिवारी का कुख्यात अपराधी बेटा मिट्टू कुमार उर्फ मिट्टू तिवारी, दूसरा अपराधी समस्तीपुर जिले के बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार समिति थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुरापुर गांव निवासी किशुनदेव सिंह का बेटा छोटे कुमार सिंह और तीसरा अपराधी बेगूसराय जिले के सिधौल थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरी गांव निवासी अशोक पांडेय का बेटा मोनू कुमार शामिल है। बस से देर शाम तक आरा आने वाले हैं। फिर गठित टीम द्वारा अन्य सदस्यों की काफी खोजबीन किया गया, लेकिन पता नहीं चला।

पटना एचसी के वकील से पैसे छीनकर भागे 3 बाबा

पटना। के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एसपी वमा रोड में वेशभूषा बदलकर झपट मारी करने का मामला सामने आया है। बुधवार की दोपहर हाइकोर्ट के वकील मोहम्मद आसिफ युनुस अपने घर से निकल रहे थे। तीनों बाबा ने एक पोतली में दुर्लभ प्रजाति का सांप भी रखा था। उसे दिखाकर उन्होंने वकील को डराया था। हालांकि पुलिस इस दुर्लभ प्रजाति के सांप का रेस्क्यू नहीं कर पाई। जमानत मिलने के बाद उसे उन्हीं तीनों बाबा को लौटा दिया जिसे वो मांगने के दौरान लोगों को डराते हैं। तीनों के नाम विक्रम नाथ, भारत नाथ और कबीर नाथ है। तीनों थाना मुखल, करतारपुर रोहतक हरियाणा के रहने वाले हैं। ये



लगभग 6 महीने से पटना में घूम घूमकर इसी तरह से अपना जीवन यापन करते हैं। इनका कोई स्थाई

थानेदार राजन कुमार ने बताया कि तीनों लड़के हरियाणा रोहतक के रहने वाले हैं। घटना के बाद पता चला कि ये लोग मौका मिलने पर छिना झपटी का भी काम करते थे। शिकार के संबंध में और जानकारी प्राप्त की जा रही है। इनपर जो मामला बन रहा था, उसमें 7 साल से कम की सजा है, इसके लिए इन्हें नोटिस दिया गया है। न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद छोड़ दिया गया है। इन लोगों का कोई स्थाई ठिकाना नहीं है, दिन भर कभी यहां तो कभी वहां मांगकर जीवन यापन करते हैं। आगे अनुसंधान में जो बातें आएंगी, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। तीनों गेरुआ रंग का वस्त्र पहनकर घूमते थे।

थानेदार राजन कुमार ने बताया कि तीनों लड़के हरियाणा रोहतक के रहने वाले हैं। घटना के बाद पता चला कि ये लोग मौका मिलने पर छिना झपटी का भी काम करते थे। शिकार के संबंध में और जानकारी प्राप्त की जा रही है। इनपर जो मामला बन रहा था, उसमें 7 साल से कम की सजा है, इसके लिए इन्हें नोटिस दिया गया है। न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद छोड़ दिया गया है। इन लोगों का कोई स्थाई ठिकाना नहीं है, दिन भर कभी यहां तो कभी वहां मांगकर जीवन यापन करते हैं। आगे अनुसंधान में जो बातें आएंगी, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। तीनों गेरुआ रंग का वस्त्र पहनकर घूमते थे।

साक्षर डायरा

बिहार निर्वाचन विभाग ने इलेक्शन कमिशन को भेजी रिक्तियां, 13 अगस्त को राजनीतिक दलों की बुलाई बैठक



बिहार। मंच चार सीटों पर विधानसभा उपचुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में राज्य निर्वाचन विभाग की ओर से केंद्रीय चुनाव आयोग को रिक्तियां भेजी गई हैं। सूत्रों के मुताबिक नवंबर और दिसंबर में झारखंड चुनाव के साथ उपचुनाव होने की संभावना है। चार सीटों पर उपचुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने अगले सप्ताह मंगलवार (13 अगस्त) को राजनीतिक पार्टियों की बैठक बुलाई है। मीटिंग में राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय दल के नेताओं के साथ उपचुनाव पर विस्तार से चर्चा होगी। इस बैठक में कांग्रेस, बीजेपी, राजद, जदयू, सीपीआई, माले और लोजपा के प्रतिनिधि शामिल होंगे। लोकसभा चुनाव के बाद बिहार विधानसभा की पांच सीटें इमामगंज, रामगढ़, बेलागंज, तरारी और रूपौली खाली हुई हैं। इनमें से रूपौली में उपचुनाव हो चुका है। अब बची 4 सीटों पर उपचुनाव होना है। इसी साल महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ ही बिहार की चार सीटों पर उपचुनाव कराए जाने की चर्चा है।

चलती बाइक पर खड़े होकर लड़की की स्टंटबाजी, वीडियो



मुजफ्फरपुर। नेशनल हाईवे पर एक लड़की का बाइक के साथ स्टंट करते वीडियो सामने आया है। इसमें लड़की भोजपुर गानों पर जानेलेवा स्टंट करते दिखाई दे रही है। उसने ये सभी वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भी शेयर किए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई की जुटी हुई है। सिटी एसपी अवधेश दीक्षित का कहना है कि दोनों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नवंबर 2023 में भी युवती का वीडियो वायरल हुआ था, तब पुलिस ने माफ़ी मांगवाई थी। युवती ने रील्स बनाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। वीडियो के बैकग्राउंड में गाना चल रहा है चेहरे पर ना जा मेरा नाम बहुत से। दूसरी रील्स के बैकग्राउंड में गाना चल रहा है अपना रोमांस, प्रभु देवा का डंस ले, इंडस्ट्री है फैन मेरी मॉडर्निंग का चांस ले। इस रील्स में युवती चलती बाइक की फिलियन सीट पर खड़े हो जाती है, जबकि उसका दोस्त बाइक चला रहा है। वहीं तीसरी रील्स में युवती खुद बाइक चला रही है। बैकग्राउंड में नो एंट्री का गाना चल रहा है। इस दौरान वो बाइक का हैंडल छोड़कर झुबड़ करती हुई नजर आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि युवती और युवक का अलग-अलग धाराओं में चालान काटा जाएगा। परिवहन एक्ट के तहत चालान की राशि 50 हजार तक हो सकती है। एक तो गलत तरीके से बैगैर नंबर प्लेट की बाइक चलाया, खतरनाक ड्राइविंग, बैगैर हेलमेट के गाड़ी चलाया और नियम तोड़ने के इसे प्रचारित करने के लिए वीडियो वायरल करने को लेकर चालान काटा जाएगा। इसके अलावा दोनों का लाइसेंस और गाड़ी के कागजातों की जांच की जाएगी। वहीं 2023 नवंबर में इसी युवती का सिटी पार्क में पिस्टल के साथ भोजपुरी गाने पर पिस्टल के साथ रील्स वायरल हुआ था। तब युवती और उसके दोस्त को पुलिस ने हिरासत में लिया था। जांच में पता चला था कि रील्स में दिखा रही पिस्टल एक खिलौना थी। हालांकि इस वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने उससे माफ़ी वाला वीडियो बनवाया था, जिसमें युवती और उसका दोस्त यह कह रहे थे कि आगे इस तरह कानून तोड़ता हुआ कोई रील्स या वीडियो नहीं बनाएंगे।

सलमान खुर्शीद के बयान का तारकेशोर प्रसाद ने किया विरोध



कटिहार। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के बयान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। दरअसल गुरुवार को पूर्व डिप्टी सीएम सह विधायक तारकेशोर प्रसाद ने कहा कि सलमान खुर्शीद ने जिस प्रकार से देश विरोधी बयान दिया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। वह बांग्लादेश की तुलना भारत से कैसे कर सकते हैं।

बांग्लादेश में जो स्थिति बनी है। वह भारत में कभी नहीं बन सकती है। भारत में हम लोग सभी धर्म, जाती को एक साथ लेकर चलने का काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश में जिस प्रकार से हिन्दू पर अत्याचार हो रहे हैं। वह दुर्भाग्यपूर्ण है। सलमान खुर्शीद जैसे लोग कहीं न कहीं पाकिस्तानी और बांग्लादेश देश के समर्थक हैं और राष्ट्र विरोधी बयान देकर राष्ट्र विरोधी ताकत को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। मालूम हो कि सलमान खुर्शीद ने कहा था कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वहां भी हो सकता है।

विनेश फोगाट को बिहार का बताया



रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व फेसला किया है कि हम सभी खेलों के लिए खेल का मैदान बनाएंगे। हर पंचायत में खेल का मैदान और स्पोर्ट्स क्लब बनाया जाएगा। सभी पंचायत में बच्चों को खेलने के लिए साधन लगेगा, वह साधन मुहैया कराएंगे। कुशती चैंपियन विनेश फोगाट के मामले पर आरजेडी ने साजिश की बात कही है। पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय यादव ने कहा कि जिस तरह पूरी सरकार, पूरा कुशती फेडरेशन और भाजपा के लोग विनेश फोगाट के पीछे हाथ धोकर पड़े थे, उसे देखते हुए किसी षडयंत्र से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं, पटना में कांग्रेस ने भी पोस्टर लगाकर जांच की मांग की है। पोस्टर में कांग्रेस नेता सिद्धार्थ क्षत्रिय ने इस मामले

को बीजेपी का 'चक्रव्यूह' कहा और गहरी साजिश की आशंका जताई है। उसमें लिखा है कि भारत हार गया, मोदी जी जीत गए। सिद्धार्थ कहते हैं कि चक्रव्यूह की राजनीति पूरे देश में चल रही है। इसी चक्रव्यूह के तहत विनेश फोगाट को भी पेरिस ओलंपिक से बाहर निकल गया है। साथ ही गायिका नेहा सिंह राठौर ने भी सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार का धारावाहिक किया है। भारतीय रिसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में डिसकवालिफाई होने के बाद कुशती से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने गुरुवार सुबह 5.17 बजे पर एक पोस्टर में लिखा- रमां काग्रेस ने मेरी पोस्टर लगाकर जांच की मांग की है। पोस्टर में कांग्रेस नेता सिद्धार्थ क्षत्रिय ने इस मामले

NOMANI MEDICAL INSTITUTE

CMS & ED
Alopathi

DAMS
Ayurveda

BEMS
Electro Homeopathy

DHMS
Homeopath

BNYS
Naturopathy

BAMS
Alternativ

DUMS
Unani

अब नहीं कहलाएँगे झोला छाप

अधिक जानकारी के लिए अभी कॉल करें! 9430083743

Alam Nagar Harpurwa Bajpatti Sitamarhi(Bihar)843314

ब्रज की जीवन शैली का अविभाजित अंग है हरियाली तीज वैष्णवाचार्य मारुति नंदनाचार्य वागीशजी महाराज :डॉ. गोपाल चतुर्वेदी



वृन्दावन। रविमणी विहार रोड़ (निकट केशव धाम) स्थित भागवत पीठ आश्रम में सत्य सनातन सेवार्थ संस्थान चैरिटेबल ट्रस्ट, वृन्दावन के द्वारा श्रावण मास के पावन उपलक्ष्य में चल रहे सप्त दिवसीय 27वें श्रावण झूलन महोत्सव के अंतर्गत हरियाली तीज का पर्व अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाया गया। साथ ही ठाकुरजी का अत्यंत दिव्य, भव्य व मनोहारी श्रृंगार किया गया इसके अलावा उन्हें छयम भांग भी निवेदित किए गए। व्यासपीठ से विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता एवं आचार्य/भागवत पीठाधीश्वर वैष्णवाचार्य मारुति नंदनाचार्य वागीशजी महाराज ने कहा कि इस पर्व पर मां पार्वती की पूजा का विधान है इसी व्रत के फल स्वरूप मां पार्वती ने भगवान शिव को प्रान्त किया था। तबसे ब्रज में हरियाली तीज का त्योहार यहां की जीवन शैली का एक अविभाजित अंग है। यहां पर यह त्योहार भगवान श्रीकृष्ण और उनकी आल्हादित शक्ति श्रीराधा रानी के

झूलनोत्सव के रूप में हरियाली तीज से लेकर श्राद्ध बंधन तक बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। साथ ही यहां इन दिनों सर्वत्र हिंडोला महोत्सव की बहार रहती है। महोत्सव के अंतर्गत महिला भक्त मण्डल के द्वारा संगीतमय सावन और झूलों के गीतों का गायन किया गया। साथ ही गीत-संगीत के मध्य महिलाओं के द्वारा मनोहारी नृत्य की भी प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा भागवत पीठ से श्रीमती ललिता आचार्य के द्वारा सभी महिलाओं को सुहाग का सामान प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, युवराज श्रीधाराचार्य महाराज, डॉ. राधाकान्त शर्मा, आचार्य भरत शास्त्री, अरुण बंसल (हिमाचल प्रदेश) आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संस्कृति विश्वविद्यालय में उत्साह, उल्लास के साथ मनी हरियाली तीज

मथुरा। आस्था, उमंग और प्रेम के उत्सव हरियाली तीज पर संस्कृति विश्वविद्यालय में शिक्षिकाओं ने अनेक प्रतियोगिताओं में भागीदारी की। श्रावण मास में हरियाली से ओतप्रोत प्रकृति को आत्मसात करने के लिए शिक्षिकाओं ने हरे रंग के पहनकर लोकगीत गाते हुए पारंपरिक नृत्य किए। इस अवसर संस्कृति आयुर्वेद मेडिकल कालेज की डा. एकता कपूर को द्वितीय क्वीन-इवेंट के सम्मान से सुशोभित किया गया। संस्कृति विवि के सभागार में आयोजित इस तीज उत्सव का आयोजन संस्कृति कल्चरल क्लब द्वारा किया गया जिसमें विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं, महिला कर्मचारियों ने एक साथ बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं में आयोजित की गईं जिनमें मिस तीज क्वीन, बेस्ट हिंडन टैलेट, बेस्ट मेहंदी, मिस सोलह श्रृंगार, बेस्ट स्टेज परफॉर्मर का चुनाव किया गया। बेस्ट मेहंदी के लिए डा. नेहा पाठक, बेस्ट हिंडन टैलेट के लिए जयंति, मिस सोलह श्रृंगार के लिए मिथलेश, बेस्ट स्टेज परफॉर्मर प्रतियोगिता में उच्च कविता पढ़ने के लिए सीमा वर्मा को चयनित कर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिताओं और तीज उत्सव का संयोजन डा. पुनम गुप्ता और देविंका रानी द्वारा किया गया। तीज उत्सव में भाग लेने वाली महिलाओं में डा. श्वेता तिवारी, डा. निशा चंदेल, ज्योति तोमर, प्रतिमा सुदीपा माल, ग्रेस, दिवंकल,



राधिका, ऋतु, राधा, डा. सरस्वती घोष, विजया, मोहिनी, कोमल, प्रतिष्ठा, कंचन, रिका जुनेजा, प्रियंका गीतम आदि हैं। तीज उत्सव का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इससे पूर्व संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता, सीईओ श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, कुलपति प्रो. एम.बी. चेड्डी ने शिक्षिकाओं, महिला कर्मचारियों, छात्राओं को तीज की शुभकामनाएं देते हुए पानी का पानी कर दिया। जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में 23 नवंबर को शाम को सूरजभान वाल्मीकि निवासी गांव परखम गुर्जर थाना जैत, पूर्व में थाना वृन्दावन अपने पशुओं को लेकर घर वापस जा रहा था। वादी सूरजभान ने दर्ज कराए मुकदमें में आरोप लगाया था कि रास्ते में उसे महावीर पुत्र चरन सिंह गुर्जर, देवहंस पुत्र नन्दन गुर्जर और रामनारायण पुत्र भूरी सिंह जाटव निवासीगण गांव परखम गुर्जर मिले थे। आरोप लगाया था कि महावीर, देवहंस गुर्जर और रामनारायण जाटव ने उसे रास्ते में रोकने के बाद उसे जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करके अपमानित किया था, विरोध करने पर उपरोक्त लोगों ने उसे पेड़ से बांधकर मारपीट की थी। सीओ सदर ने मुकदमें की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र न्यायलय भेज दिया था। उसी दौरान वर्ष 2015 में वादी सूरजभान की मृत्यु हो गई थी। वादी की मृत्यु होने के बाद उसके

वंचित समाज इंसफा पार्टी कार्यालय पर बैठक आयोजित हुई



न हो श्री शेख ने बांग्लादेशी आवाज से अपील की वो किसी भी अल्पसंख्यक को या किसी धार्मिक स्थल को नुकसान न पहुंचे और यह माने की हर बांग्लादेशी भाई भाई है चाहे किसी भी धर्म से हो वैसे कुछ तस्वीर सोसल मीडिया पर आ रही है। जिस में दिखाया जा रहा है कि मुसलमान हिन्दू धर्म स्थलों और हिंदूओं की हिफाजत कर रहे हैं यही इंसानियत का पैगाम पुरी दुनिया में जाना चाहिए। इस मौके पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर खान ने कहा कि आज जरूरत है भाई चारे और इंसफा की नासिर खान ने कहा की वी आई पी पार्टी वक्फ बिल जो आ रहा है वो मुसलमान विरोधी है पार्टी विरोध करती रहेगी इस मौके पर सभी ने अपने अपने विचार रखे।

राजकुमार सिंह गुर्जर ने उससे सवाल किए तो राहुल ने बताया कि मुकदमें की तहरीर गांव वालों ने लिखकर दी थी। वहीं अधिवक्ता के एक सवाल के जवाब में उसने कहा कि घटना वाले दिन बाइक से गिरने के कारण उसे चोट लग गई थी। इसके बाद अधिवक्ता राजकुमार सिंह ने वादी सूरजभान के दूसरे पुत्र नरेश से सवाल किए तो उसने कहा कि उसके पिता ने रिपोर्ट दर्ज करावी थी, वह पिता के साथ मौजूद था लेकिन रिपोर्ट में क्या लिखा गया था, उसे पता नहीं है। इसी के साथ वादी के पुत्र नरेश ने अदालत में आरोपी महावीर, देवहंस गुर्जर और रामनारायण जाटव द्वारा उसके भाई के साथ घटना करने से इंकार कर दिया। इसके बाद अधिवक्ता राजकुमार सिंह ने अपने पक्षकारों को निर्दोष होने पर अदालत से निर्दोष करार देने की मांग की। न्यायधीश ने अभियोजन और आरोपी पक्ष के अधिवक्ता की बहस को सुनने और साक्ष्य तथा बयानों का अवलोकन करने के बाद महावीर, देवहंस गुर्जर और रामनारायण जाटव को निर्दोष करार देते हुए बरी कर दिया।

उप चुनाव में महुअन से जशोदा, दहगांव से जितेन्द्र सिंह बने प्रधान

मथुरा। फरह ब्लॉक की महुअन ग्राम पंचायत के उपचुनाव में पति के निधन के बाद पत्नी जशोदा को विजयी घोषित किया गया है। वहीं नंदगांव ब्लॉक के गांव दहगांव में जितेन्द्र सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी 6 प्रत्याशियों को हराया है। महुअन गांव में हार्द अटेक से प्रधान अमरपाल सिंह की मृत्यु हो गई थी तभी से प्रधान पद का स्थान खाली चल रहा था प्रशासन के आदेश पर मंगलवार को हुआ था उपचुनाव गुरुवार सुबह हुई मतगणना में मृतक प्रधान अमरपाल की पत्नी यशोदा देवी ने अपने प्रतद्वी भंवर सिंह को 144 वोट से हरा कर जीत दर्ज की। मतगणना गुरुवार सुबह आठ बजे से ब्लॉक के सभागार में शुरू हुई चार राउंड की मतगणना में तीसरे राउंड में यशोदा 210 वोट से आगे चल रही थी चौथा राउंड पूरा होने पर 144 वोट से यशोदा देवी की जीत हुई घोषणा। वहीं जीत की घोषणा होते ही प्रधान यशोदा देवी अपने पुत्र देवेन्द्र सिंह से लिफ्ट कर फफक फफक कर रोने लगी। ए आर ओ रवि कुमार गौतम व ए डी ओ पंचायत विजय कुमार ने यशोदा देवी को जीत का प्रमाण पत्र। वहीं ग्राम विकास अधिकारी नेहा रावत ने माला पहनाकर जीत की शुभकामना दी। मौके पर एसडीएम सदर, सी ओ रिफाइनरी, नायब तहसीलदार राकेश उपाध्याय बीडीओ नेहा रावत सहित एआर ओ रवि गौतम व ए डी ओ विजय कुमार मौजूद रहे।

ताजमहल के मुख्य मकबरे पर पानी की बोटल बैन-ASI और CISF ने लिया फैसला

मथुरा। ताजमहल पर पिछले तीन दिनों में दो बार जल चढ़ाने की घटनाओं के बाद सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई इस बैठक में फैसला लिया गया कि अब यह मुख्य मकबरे पर कोई भी पर्यटक पानी की बोटल नहीं ले जा सकेगा। सुरक्षाकर्मी और एसआई के कर्मचारी पर्यटक को मुख्य मकबरे पर पानी की बोटल ले जाने पर रोकेंगे। इस फैसले के पीछे ताजमहल पर हुए हालिया विवाद है। सोमवार को हिंदू महासभा की एक महिला पदाधिकारी ने ताजमहल पर जल चढ़ाते



हुए भगवा इंडा भी लहराया। इससे दो दिन पहले मथुरा के दो युवक ने भी मुख्य कब्र की तहखाना में गंगाजल चढ़ाया और ताजमहल की दीवार पर आम का स्टिकर लगाकर गंगा जल चढ़ाया। हिंदू महासभा के पदाधिकारी का कहना है कि ताजमहल वास्तव में तेजोमहल है और शिव मंदिर है। इसलिए यहां गंगाजल चढ़ाने की अनुमति मिलनी चाहिए इन घटनाओं के वीडियो भी हिंदू महासभा के पदाधिकारी द्वारा वायरल की गई थी। मथुरा के युवकों को सीजेएम ने जेल

भेज दिया था और सोमवार को जल चढ़ाने वाली महिला को सीआईएसएफ ने हिरासत में लिया। अरक और CISF की बैठक में लिया गया फैसला- गाइड एग्रेसिवेशन ने उठाया विरोध- घटनाओं के तुरंत बाद शाम को एसएसआई और सीआईएसएफ के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें यह निर्णय लिया गया कि मुख्य मकबरे पर पानी की बोटल ले जाने पर अस्थायी रूप से रोक लगाई जाएगी। पर्यटकों को मुख्य मकबरे से पहले ही पानी की बोटल समाप्त करनी होगी या साइड में रखनी होगी। इस फैसले से पर्यटकों को दिक्कत हो सकती है। एसएसआई टिकट के साथ पर्यटकों को पानी की बोटल देते हैं। लेकिन इस नए फैसले के कारण गाइड एग्रेसिवेशन असंतुष्ट है। गाइड एग्रेसिवेशन के अध्यक्ष दीपक दान का कहना है कि गर्मी और उमस में पर्यटकों को बिना पानी के मुख्य मकबरे पर आधे घंटे से एक घंटे तक रहना मुश्किल होगा। उन्होंने एसएसआई और सीआईएसएफ सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की अपील की और पर्यटकों को परेशान करने वाले फैसले से बचने की सलाह दी।

संक्षिप्त डायरी

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के प्रथम दिन निकाली छात्र-छात्राओं ने रैली

मथुरा। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के अंगतगत जनपद के गांव, कस्बों व नगरों में स्थित विभिन्न स्कूलों व कॉलेज में रैली निकालकर छात्र-छात्राओं को इस कांड के बारे में अवगत कराया। नौ अगस्त को मुख्य आयोजन सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूल व कालेजों में आयोजित किए जाएंगे। शहीद स्मारकों व प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व श्रद्धांजलि सभाएं होगी। इन स्थलों के आसपास साफ सफाई की जाएगी। गुरुवार को श्री राधा बिहारी इंटर कॉलेज बरसाना में काकोरी एक्शन ट्रेन के शताब्दी समारोह पर बरसात के दौरान कालेज प्रांगण में ही शिक्षकों एवं छात्रों के द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत रैली निकाली गई। इससे पूर्व सुबह प्रार्थना के समय विद्यालय के प्रवक्ता चंद्रपाल द्वारा काकोरी एक्शन ट्रेन के बारे में छात्रों को विस्तार से अवगत कराया गया। डीएवी इंटर कॉलेज गोवर्धन में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्ष गांठ पर छात्रों को स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के बारे में अध्यापक गण के द्वारा जानकारी दी गई तथा नगर भ्रमण करते हुए प्रभात फेरी रैली निकाली गई। सर्वोदय इण्टर कॉलेज चौमूहों में शासन के निर्देशानुसार प्रातः कालीन सभा के उपरांत काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी के संबंध में छात्रों को विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया और शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए प्रभात फेरी निकाली गयी। आदर्श विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आवरखेड़ा मथुरा में काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी समारोह के अवसर पर काकोरी कांड शहीदों के संघर्ष को याद करते हुए प्रभात फेरी निकाली गई। श्री सरदार पटेल इंटर कॉलेज देव नगर मथुरा में शासन के निर्देशानुसार काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ पर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई।

साजिश के तहत विनेश फोगाट को किये डिसक्वालिफाई

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगाया साजिश का आरोप

मथुरा। भारतीय रैसलर विनेश फोगाट के पेरिस ओलिंपिक से डिसक्वालिफाई होने के बाद देश में खेल जगत से लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा है। गुरुवार को जिला कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने इस मामले में साजिश की आशंका जताते हुए कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव मलिक अरोरा ने कहा कि भारतीय पहलवान रैसलर विनेश फोगाट पेरिस ओलिंपिक में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंच गई थी। 7 अगस्त को विनेश का वजन उनकी तय कैटेगरी 50 किलोग्राम से 100 ग्राम ज्यादा निकला। जिसके बाद ओलिंपिक एग्रेसिवेशन ने उन्हें प्रो स्ट्राल्ड महिला कुश्ती के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। ओलिंपिक से बाहर होने के बाद तबीयत बिगड़ गई थी। इसका भारत सरकार को विश्व मंच पर कड़ा विरोध करना चाहिए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भवान सिंह चर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद वृज भूपण सिंह के खिलाफ साक्षी मलिक एवं विनेश फोगाट के नेतृत्व में प्रदर्शन किया था। पहलवानों ने शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले में आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। विनेश फोगाट के आंदोलन से भाजपा सरकार चिढ़ गई थी। जिसके कारण विनेश फोगाट के खिलाफ ताना बाना बुना गया। इसकी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस के प्रदर्शन में एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष हरीश पंचोरी अश्विनी शुक्ला सेवादल जिला अध्यक्ष प्रकाश शर्मा अशोक शर्मा दीपक पाठक गिरांज सागरवत ठाकुर साहब सिंह नरेंद्र शर्मा राजू अब्बासी अखलाक चौधरी सलीम अब्बासी दीपक शर्मा बंटी सिद्धीकी लियाकत मलिक राजा भाई बेबी ठाकुर सुरेश शर्मा आदि सैकड़ों कांग्रेस जन मौजूद थे।

दोस्त की जमानत के लिए चोरियां की, पकड़े गए

आगरा। के ट्रांस यमुना इलाके में बंद दो घरों में चोरियां होती हैं। पुलिस सिकंदरा इलाके की ईट मंडी से 2 लड़कों को पकड़ा। उनकी बताई हुई जगह पर चोरी का सामान भी दबा हुआ मिला। गिरिह का एक सदस्य फरार बताया जा रहा है। पूछताछ में सामने आया कि उनका एक दोस्त जेल में हैं, जिसकी जमानत के लिए उन्होंने चोरी की थी। सामान बेचकर जो पैसे मिले, उससे उन्होंने पार्टी की। बाकी सामान कांशीराम आवास कॉलोनी के एक खंडहर में दबाया हुआ था। थाना ट्रांस यमुना में 19 जुलाई को मुकदमा दर्ज कराया गया। अज्ञात चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर घर के सामान की चोरी की थी। 8 अगस्त को चैकिंग के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले सिकंदरा क्षेत्र में ईट की मंडी के पास देखे गए हैं। पुलिस ने घेराबंद की और जोशान और रवि का गिरफ्तार किया। तीन दोस्तों ने मिलकर की थी चोरी पूछताछ में जोशान और रवि ने बताया कि दोनों अच्छे दोस्त हैं। उनका एक दोस्त नदीम भी है। रवि का भाई चोरी के मामले में जेल में बंद था। उसकी जमानत के लिए रुपयों की जरूरत थी। नदीम ने बताया कि सब्जी मंडी नराईच में एक घर में ताला लगा हुआ है। तीनों ने घर का ताला तोड़कर चोरी का प्लान बनाया। चोरी के सामान को बेचकर जो पैसे मिले, उसे मस्ती में खर्च किए। चोरी के पैसे से ही रवि के भाई की जमानत कराई। अभियुक्तों की निशानदेही पर खंडहर में दबाए सामान को भी पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस नदीम की तलाश कर रही है। जोशान और रवि सिकंदरा के रुकता के रहने वाले हैं।

2 दिन मनाई जाएगी जन्माष्टमी- श्रीकृष्ण जन्मास्थान पर 26 को तो वृन्दावन में 27 को होगा कांहा का जन्म



मथुरा। भगवान श्री कृष्ण के 5251वें जन्महोत्सव को मनाने के लिए सभी जगह तैयारी शुरू हो गई है। भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा और लीला भूमि में वृन्दावन में इस बार अलग-अलग जन्माष्टमी मनाई जाएगी। मथुरा में जहां भगवान श्री कृष्ण का 26 अगस्त की रात को अभिषेक होगा। वहीं वृन्दावन के प्रमुख मंदिरों में 27 अगस्त को कांहा का अभिषेक किया जाएगा।

राजस्थान के पाली में 15 गांव डूबे, बिहार में बिजली गिरने से 8 मौतें मप्र में नर्मदा का बैकवाटर लेवल बढ़ा, बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली।

देश के लगभग सभी राज्यों में बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हुई है। गंगा, बागमती और कोसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं। कटिहार के बरारी में सुखाई घाट से मतलुधार के बीच 5 करोड़ की लागत से बन रहे ब्रिज का पिलर और ब्रिज बोक्स गंगा में समा गया। मप्र में नर्मदा नदी का बैकवाटर लगातार बढ़ रहा है। बीते दो दिन से बढ़वानी के राजघाट में बैकवाटर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचते हुए 126.80 मीटर पहुंचा

है। वहीं ओंकारेश्वर बांध से टरबाइन चलाने के साथ ही बुधवार शाम को 9 गेट खोले गए हैं। वहीं गुरुवार सुबह भी 9 और गेट खोले गए। हिमाचल प्रदेश के मंडी के 9 मील के पास देर रात 3 बजे चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। मलबे में एक ट्रक और पिकअप फंस गया। दोनों गाड़ियों के ड्राइवर ने भागकर जान बचाई। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान लगातार तेज बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे सहित 214 सड़कें बंद हैं। राजस्थान के पाली शहर में 15 गांव डूब गए हैं। अभी तक रेस्क्यू कर करीब 100 लोगों को बचाया गया है। यहां से 100

से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के 9 जिलों में अलर्ट जारी किया है। 1984 क्यूमेक्स पानी छोड़ा ओंकारेश्वर बांध से 1984 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया है। इससे जिले में निचले कछार क्षेत्रों में तेजी से बैकवाटर बढ़ेगा। इसके मद्देनजर पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। उधर एनएचडीसी ने इंदिरा सागर परियोजना के भी गेट खोलने के संबंध में बढ़वानी सहित खंडवा, देवास, खरगोन, धार व हरदा जिलों के कलेक्टर को पत्र मेल व मैसेज के माध्यम से भेजे हैं। बढ़वानी शहर के पास नर्मदा का

बैकवाटर खतरे के निशान से तीन मीटर ऊपर पहुंच गया। साथ ही पुरा ना पुल डूबने की कगार पर है। प्राचीन घाट से भी बैकवाटर अब चंद मीटर नीचे है। दो-तीन मीटर बैकवाटर और बढ़ने की स्थिति में राजघाट गांव टापू बनने लगेगा। तटीय गांवों में अलर्ट वहीं सरदार सरोवर बांध परियोजना अंतर्गत जिले के तटीय डूब गांवों में अलर्ट मोड को लेकर पुलिस महकमे द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में ग्रामीणों की बैठक लेकर सावधान रहने का आह्वान किया है। बढ़वानी कोतवाली सहित अंजड़, ठीकरी व पाटी थाना क्षेत्र की पुलिस ने थाना परिसर व डूब गांव



में चौपाल लगाकर बैठक ली। इंदिरा सागर पावर स्टेशन के बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ प्रभारी के संबंधित कलेक्टरों को भेजे पत्र में बताया

कि इंदिरा सागर परियोजना से बांध के गेट खोलकपानी छोड़ा जाएगा। इससे बढ़वानी जिले के तटीय क्षेत्र में बैकवाटर बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार



फर्जी डिजिटल लैडिंग एप से निपटने आरबीआई सख्त, अब लोन लेना नहीं होगा आसान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मॉनेटरी पॉलिसी में डिजिटल एप लोन को लेकर सख्त कदम उठाया है। आरबीआई ने फर्जी डिजिटल लैडिंग प्लेटफॉर्म से निपटने के लिए पब्लिक रेपोस्टरी बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह नियामक संस्था डिजिटल लोन एप की बेहतर निगरानी करने के लिए इस नियामक संस्था को अपनी रिपोर्ट आरबीआई को देनी होगी। इसके अलावा यूपीआई-बेस्ड टैक्स पेमेंट के लिए लेनदेन की सीमा एक लाख से बढ़कर पांच लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। इसके अलावा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि होमलोन कंपनियों नियमों की अनदेखी कर रही हैं और ऐसे में इन नियमों का उल्लंघन रोकना जरूरी है। मॉनेटरी पॉलिसी में आरबीआई गवर्नर ने देश के फाइनेंशियल सेक्टर को मजबूत बताया है। उन्होंने कहा कि देश का वित्तीय बाजार स्थिर है फिर भी उन्होंने बैंकों और एनबीएफसी में और सुधार के लिए नए उपायों को बनाने की सलाह दी है। वहीं, आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से अपनी बचत योजनाओं में डिफॉजिट को और बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों को अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि निवेशकों के पास इन्वेस्टमेंट के अन्य विकल्प होने से वह बैंकों में पैसा जमा नहीं कर रहे हैं। ऐसे में बैंकों के लिए डिफॉजिट को सिक्क्योर करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसी स्थिति में बैंकों के सामने लिक्विडिटी से जुड़ी परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

थूक से मसाज करने वाला यूसूफ जेल में...दुकान पर चला बुलडोजर

पूर्व सांसद ने घटना को थूक जिहाद बताया

लखनऊ। यूपी के कन्नौज में थूक से मसाज करने वाले सैलूनकर्मी यूसूफ को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उसके सैलून पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई है। ये सैलून एक छोटी सी गुमटी में चलाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि यूसूफ की सैलून शॉप (गुमटी) अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर बनी थी। इसके बाद नगर पंचायत प्रशासन ने इस अतिक्रमण को हटवा दिया। बता दें कि सैलूनकर्मी यूसूफ का थूक लगाकर ग्राहक का मसाज करने का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भड़क उठे। उन्होंने पुलिस से शिकायत की, इसके बाद जांच पता चला कि वीडियो कन्नौज जिले का है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर यूसूफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद अब नगर पंचायत प्रशासन ने अवैध तरीके से अतिक्रमण कर बनाए गए सैलून को भी बुलडोजर से गिरा दिया। थूक से मसाज करने वाले वीडियो को लेकर कन्नौज के पूर्व बीजेपी सांसद सुब्रत पाठक ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस हरकत को थूक जिहाद बताया था। पूर्व सांसद पाठक ने लिखा, ये थूक जिहाद की घटना कन्नौज के तालग्राम की है।

केंद्र सरकार बदलेगी महंगाई का फार्मूला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार महंगाई दर के मानक को बदलने की तैयारी कर रही है। खाद्य सामग्रियों के जो आंकड़े अभी दिए जा रहे हैं। उन खाद्य सामग्रियों में परिवर्तन किया जाएगा। मानक बदल जाने से आने वाले समय में महंगाई दर के मानक भी बदल जाएंगे। आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा मानक के लिए नया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स बास्केट में 541.5 फीसदी वेज फूड और ब्रेवरेज कैटेगरी का होता है। इसमें बदलाव किया जा रहा है। ताकि महंगाई की तेजी को रोक जा सके। सरकार के ऊपर महंगाई भते के रूप में जो बोझ बढ़ रहा है। उसे सरकार इस तरह से नियंत्रित करना चाहती है।

विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में बढ़े 7 लाख से ज्यादा मतदाता

मुंबई। महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 7.3 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़ गए हैं। इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव से पहले मतदाता की संख्या 9,29,43,890 थी। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी संशोधित आंकड़ों के मुताबिक मतदाताओं की संख्या बढ़कर 9,36,75,934 हो गई है। लोकसभा चुनाव से पहले पुरुष मतदाता 4,83,12,428 और महिला 4,50,17,066 थीं, जिसमें 3,40,660 और 3,91,324 की वृद्धि हुई है। राज्य विधानसभा की 288 सीट के लिए इस साल अक्टूबर में चुनाव होना है।

जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में एक साथ हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग इन राज्यों का करेगा दौरा फिर होगा फैसला

नई दिल्ली।

जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव एक साथ हो सकते हैं। झारखंड चुनाव अलग से होने की बात कही जा रही है। इस पर आखिरी फैसला 20 अगस्त तक लिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक जम्मू कश्मीर के बाद चुनाव आयोग हरियाणा और महाराष्ट्र का दौरा करेगा। 12-13 अगस्त को हरियाणा के दौर पर चुनाव आयोग

जाएगा। हरियाणा के बाद चुनाव आयोग महाराष्ट्र का भी दौरा करेगा। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव, झारखंड का चुनाव अलग होने की संभावना बरकरार है। हरियाणा और महाराष्ट्र में अक्टूबर में मतदान होना है।

जम्मू कश्मीर में सितंबर-अक्टूबर में मतदान संभावित है। जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का अंतिम फैसला सभी से बात करने के बाद होगा। हालांकि चुनाव आयोग ने अब तक जो चुनावी दिशा निर्देश जारी किए हैं वह जम्मू कश्मीर हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के लिए भी हैं, लेकिन चुनाव आयोग के पास

कैब ड्राइवर से मारपीट कर पैसा वसूलने वाले दरोगा को किया बर्खास्त

पुलिस कमिश्नर ने लिया एवशन, डीसीपी और थाना प्रभारी को भी हटाया

नोएडा।

ग्रेटर नोएडा में एक कैब चालक से पैसा वसूलने के आरोप में ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ियों को जब्त कर लिया है। घटना की जानकारी होने के बाद भी दो दिन तक छिपाने और सीनियर अधिकारियों को जानकारी न देने पर डीसीपी सेंट्रल को पद से हटा दिया गया है। बिस्सख थाना प्रभारी और गौर सिटी-1 चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है।

बाता दें कि बागपत के बड़ौते के रहने वाले कैब चालक राकेश तोमर ने पुलिस कमिश्नर से लिखित शिकायत की थी जिसमें उसने दो अगस्त की रात करीब एक बजे दिल्ली के पंचशिला विहार एक बजे दिल्ली के पंचशिला विहार एक महिला सवारी को छोड़ने गौर सिटी आया था। आरोप है कि दो कारों में सवार पांच लोग कैब चालक के पास आए और उन्होंने उसे कार से उतारकर उसके साथ अभद्रता की। उनमें एक पुलिस

आठ भारतीय नागरिक रूसी सुरक्षा बलों के लिए काम करते हुए मारे गए, 66 अभी भी काम कर रहे

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के मुताबिक रूस की ओर लड़ते हुए अभी तक आठ भारतीय नागरिकों की मौत हुई है। इनकी पहचान उनके परिजनों ने की है। वहीं 13 भारतीय अभी तक स्वदेश वापसी करने में सफल हुए हैं। यह जानकारी तुणमूल कांग्रेस के सांसद जवाहर सिरकर के सवाल के जवाब में गुरुवार को विदेश राज्यमंत्री किर्तिवर्धन सिंह ने राज्य सभा में दी। मंत्री ने बताया कि 66 भारतीय अभी भी रूस की सेना में काम कर रहे हैं।

उन्हें जल्द से जल्द कार्यमुक्त किए जाने की संभावना है। विदेश राज्यमंत्री ने बताया कि रूस

के सशस्त्र बलों में काम कर रहे भारतीय नागरिकों को वहां से छुड़ाने का अनुरोध उनके परिजनों ने किया है। उन्होंने बताया कि इस तरह के कितने भारतीय रूस के सशस्त्र बलों में काम कर रहे हैं, इसकी जानकारी सरकार के पास नहीं है। रूस में इस तरह से मारे गए चार भारतीयों के शव लाने के लिए सरकार ने वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दूसरे मामलों में भी सरकार मदद करेगी।

उन्होंने बताया कि रूस की सरकार ने बताया है कि इस तरह मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। यह मुआवजा उनकी ओर से किए गए समझौते के मुताबिक दिया

जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस के सशस्त्र बलों में काम कर रहे भारतीयों को समय से पहले कार्यमुक्त करने, उनकी सुरक्षा के मामले को भारत सरकार ने रूसी अधिकारियों के सामने मजबूती से उठाया है। उन्होंने रूस में काम करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों से इस तरह के मामलों से बचने के लिए सावधानी बरतने की उम्मीद की।

उन्होंने बताया कि इस तरह के मामलों को रोकने के लिए सरकार अवैध एजेंटों की सूची समय-समय पर ई-माइग्रेट पोर्टल पर सार्वजनिक करती रहती है। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल पर जून 2024 तक तीन हजार 42 अवैध एजेंटों के नाम अधिसूचित किए गए हैं।

महाराष्ट्र-गुजरात से 831 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

-एटीएस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया; आतंकी लंबा जागने के लिए यह ड्रग्स लेते हैं

अहमदाबाद।

गुजरात एटीएस ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एटीएस के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 800 करोड़ रुपए के करीब है। वहीं गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में भी कार्रवाई के दौरान 31 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड

ट्रामाडोल जब्त की गई है। 2018 में ट्रामाडोल ड्रग्स को भारत सरकार ने बैन कर दिया था। ड्रग के भारी मात्रा में टेरर ग्रुप तक सप्लाई होने की जानकारी के बाद यह फैसला लिया गया था। ट्रामाडोल को फाइटर ड्रग्स के नाम से भी जाना जाता है। इसका आतंकीवादी लंबे समय तक जागने के लिए लेते हैं।

ड्रग्स बनाने के लिए 2 भाइयों ने खरीदा था फ्लेट

डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि एक विशेष सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ने 5 अगस्त को महाराष्ट्र के ठाणे के भिवंडी में एक अपार्टमेंट पर छापा मारा। यहां से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया

गया। साथ ही मौके पर मोहम्मद युनुस शेख और उसके भाई आदिल शेख को पकड़ा गया। उन्होंने आगे कहा कि गैरकानूनी तरीके से मेफेड्रोन बनाने के लिए दोनों आरोपियों ने पिछले 9 महीने से महाराष्ट्र के भिवंडी स्थित एक फ्लैट रेंट पर लिया था। रॉ मटेरियल समेत अन्य सामान को एकत्र करके केमिकल प्रोसेसिंग शुरू किया था। ड्रग का उनका पिछला बैच नहीं बन पाया था लेकिन यह बैच लगभग तैयार हो चुका था। जब छापेमारी की गई तो लिक्विड ड्रग्स को पाउडर फॉर्म में बदला जा रहा था। सुनील जोशी ने कहा कि 18 जुलाई को सूरत के मेफेड्रोन प्रोडक्शन यूनिट पर कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

पीर पंजाल में बढ़ा गतिरोध, भारत पहले ही प्रॉक्सि वॉर का कर रहा सामना

सीडीएस बोले-हमारे पड़ोस में अस्थिरता भी हमारे लिए चिंता की वजह

नई दिल्ली।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर फिर तनाव बढ़ने लगा है। भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने गुरुवार को कहा है कि पीर पंजाल क्षेत्र में अचानक गतिरोध बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हो रही हिंसा की वजह से चिंताएं पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बीच दूसरे देशों के साथ सीमा पर तनाव पहले से ही कायम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस में सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि भारत के पास सुरक्षा चुनौतियों का अपना हिस्सा है। हम पहले से ही जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की ओर से छेड़े प्रॉक्सि वॉर से लड़ रहे हैं। इसमें अब अचानक से पीर पंजाल रेंज में गतिरोध में इजाफा हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि चीन के साथ लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद

अभी खत्म नहीं हुआ है। सीडीएस ने बांग्लादेश हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि हम इस वक्त दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें हमारे पड़ोस में अस्थिरता भी हमारे लिए चिंता की वजह है। भारत जैसे बड़े देश के लिए सुरक्षा संबंधी बहुत सारी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा भारत युद्धक हथियारों के लिए विदेशी आयात पर निर्भर नहीं रह सकता। खासतौर पर तब जहां वैश्विक सुरक्षा और सरकार हमेशा अस्थिर स्थिति का सामना करती है। सीडीएस का बयान ऐसे समय आया है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में इजाफा देखने को मिला है। जुलाई के महीने में कई बार आतंकी घटनाएं हुईं, जिसमें सेना के कई जवान भी शहीद हुए। अब बांग्लादेश राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। शेख हसीना पीएम पद से इस्तीफा देकर भारत में शरण ली हुई हैं। फिलहाल बांग्लादेश की सेना ने कमान संभाली हुई है।

विनेश गोल्ड की हकदार, नंबर होता तो उसे राज्यसभा भेजता: हुड़ा

-फोगाट बोली-अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी नई दिल्ली।

राजस्थान के कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट के कुश्ती से संन्यास की घोषणा पर कहा कि विनेश फोगाट को गोल्ड मिलना चाहिए। सरकार को मामले को देखना चाहिए कि वह गोल्ड की हकदार है। पहली बार ओलंपिक में ऐसे किसी को अयोग्य घोषित किया गया है। मेरे पास अगर नंबर होते तो विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजता।

बता दें विनेश फोगाट को महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल मुकाबले

से पहले 100 ग्राम ज्यादा वजन होने से बुधवार को पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद विनेश फोगाट ने इस घटना से दुखी होकर कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान करते हुए कहा कि- मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके हैं इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।

वहीं इससे पहले विनेश फोगाट ने बुधवार को ओलंपिक फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए। बता दें हरियाणा की इस धाकड़ पहलवान का पेरिस तक का सफर आसान नहीं रहा

और बहुत कुछ दांव पर लगा था। पेरिस ओलंपिक में उन्हें अपने पसंदीदा 53 किग्रा की बजाय 50 किग्रा में उतरना पड़ा। ओलंपिक कालीफायर से पहले कई ट्रायल मुकाबले हुए और इस बीच उन्हें घुटने की सर्जरी भी करानी पड़ी थी। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन करने पर उनकी काफी आलोचना हुई और मामला पुलिस और अदालत तक भी पहुंच गया था। वहीं हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने घोषणा की है कि भले ही विनेश फोगाट फाइनल नहीं खेल पाई, लेकिन उन्हें इनाम से लेकर वह सभी सुविधाएं दी जाएंगी, जो एक सिल्वर मेडलिस्ट को दी जाती है।

शेख हसीना को शरण देकर भारत ने निभाई परंपरा, नई सरकार से भी न बिगड़ें रिश्ते

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश के हालात पर रखी अपनी राय

नई दिल्ली।

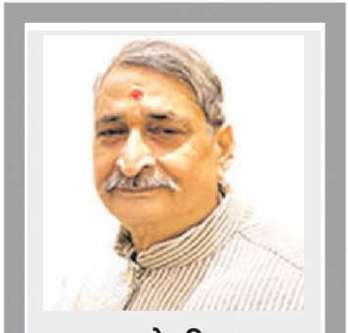
अक्सर अपने बयानों को लेकर विवादों में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश को लेकर कहा है कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को शरण देकर भारत ने अपनी सांस्कृतिक परंपरा निभाई है, लेकिन भारत को बांग्लादेश की नई सरकार से भी अपने रिश्ते नहीं बिगाड़ने चाहिए। अय्यर ने ये बात एक साक्षात्कार में कही है। कांग्रेस नेता अय्यर ने कहा मुझे खुशी है कि हिंदुस्तान ने शेख हसीना का स्वागत किया है, और यह भी इशारा किया है कि जब तक

कि वह कहां जाकर बसना चाहती है, तब तक उनका भारतवर्ष में स्वागत है। अय्यर ने कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों में पीएम नरेंद्र मोदी के लिए सबसे बेहतरीन पीएम शेख हसीना ही रही हैं। उन्होंने कहा कि शेख हसीना की सोच सेकुलर है। उन्होंने अपने देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के बचाव के लिए उनकी प्रगति के लिए बहुत कुछ किया है, जो काबिल-ए-तारीफ है। अय्यर ने कहा कि लेकिन बांग्लादेश में जो नई सरकार आ रही है हमें यह मानना चाहिए कि यह तय करना बांग्लादेश का हक है कि वहां कौन सरकार चलाएगा और जो भी आए उनके

साथ अच्छे संबंध कायम करना हमारा फर्ज बनता है। ऐसा न हो कि हसीना की खातिर हम अपने रिश्ते बांग्लादेश से बिगाड़ लें। उन्होंने कहा कि शेख हसीना भारत की बहुत करीबी दोस्त रही हैं और आज उनके मुश्किल समय में भारत ने उन्हें शरण दी है। भारत हमेशा से शरण देता आया है। हमारी विरासत में यह है कि हमारे दोस्त जब दिक्रत में हों तो उनको भरोसा होना चाहिए कि उनको भारत में शरण मिलेगी। बता दें बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। हालात ऐसे हो गये कि पीएम शेख हसीना

को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। वह इस समय भारत में हैं। गुरुवार रात बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद युनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का संघर्ष ग्रहण होना है। अय्यर ने कहा कि खबरें आ रही हैं कि बांग्लादेश के घटनाक्रम के पीछे शायद पाकिस्तान और अमेरिका का दखल रहा हो, लेकिन अब तक कोई पक्के सबूत नहीं मिले हैं। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ बातचीत के बारे में उन्होंने ने कहा कि हमारे देश के अल्पसंख्यकों के लिए उसके साथ बातचीत जरूरी है।

कैसे देश जीतेगा जंग नशे के खिलाफ



आर.के. सिन्हा

आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह-अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं।

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकेटों पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्त्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं।

नशे की गिरफ्त में आकर लोग अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरूकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के-लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार-विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मॉकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जल्दनी मान बैठे हैं। दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन,



मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेट्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को। इन जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई-सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है। राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन नवी कहते हैं, इभार में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन

रिलेसमेंट थैरेपी (एनआरटी), गर्म तंबाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है। जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुँचने और इसका निकोटीन का प्रभाव तब भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं।

इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवर्द्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो क्या तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े।

कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे-, 'सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा है, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रोकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है।'

आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह-अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान हैं। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएँ के छल्ले उड़ाना और महँगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वर्ना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

सदमे में भारत

भारतीय खिलाड़ियों के एक-के-बाद एक पोज़िंग पर चढ़ने से पहले ही हारने से देशवासियों में बनती जा रही मायूसी को विनेश फोगाट की घटना ने दोगुना कर दिया है। मनु भाकर के दो कांस्य पदकों सहित निशानेबाजी में तीन पदक आने से देश में खुशी का जो माहौल बना था, वह दिग्गजों के फ्लॉप शो की वजह से टंडा पड़ता जा रहा था। इस बीच विनेश फोगाट के महिला कुरुती ने किए प्रदर्शन देश का माहौल फिर से खुशनुमा बना दिया था। एक ही दिन में वह लगातार तीन मुकाबले जीतकर 50 किग्रा वर्ग की कुरुती के फाइनल में पहुंच गई थीं। वह यह उपलब्धि पाने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान थीं। उन्होंने जिस तरह से टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता और 82 मुकाबलों से अजेय बनी हुई सुसाकी को पहले राउंड में हराया, उससे देशवासियों को पहली बार सोने का तमगा आने का भरोसा हो गया था, लेकिन सौ ग्राम वजन ज्यादा भार पर उन्हें अयोग्य करके पदक से ही वंचित किए जाने से देश में सदमे जैसी स्थिति बन गई है। हालांकि अभी विनेश के सीएएस में अपील करने से रजत पदक मिलने की संभावनाएं बनी हुई हैं। अब सवाल यह है कि इतने देखभाल करने वालों के रहते वजन कैसे बढ़ गया? इस बात की जांच भी होनी ही चाहिए। हम सभी जानते हैं कि विनेश 53 किग्रा वर्ग में लड़ती रहीं हैं। वह वजन घटाकर इस वर्ग में लड़ रहीं थीं। इस तरह की खिलौना का तो और भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए था। विनेश को बहुत ही पक्के इरादे वाली पहलवान माना जाता है। यह वह कुरुती फेडरेशन के अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला चलाकर दिखा चुकी हैं। इसके अलावा कभी कोई घटना उन्हें विचलित नहीं कर सकी। पर इस घटना ने उन्हें एकदम से तोड़ दिया है और इस कारण उन्होंने सन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इन हालात में देश के माहौल को अब पुरुषो हक्की में कांस्य पदक और नीज चोपड़ा का जेवेलिन में स्वर्ण पदक ही खुशनुमा बना सकता है। इससे पदक तालिका में भारत की स्थिति थोड़ी सम्मानजनक हो जाएगी। अन्याय हम 2016 के रियो ओलंपिक जैसे प्रदर्शन की तरफ बढ़ ही रहे हैं। रियो में भारत एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में 67वें स्थान पर रहा था। निश्चित रूप से विनेश फोगाट की घटना ने देशवासियों को हैरान-पेशान कर दिया।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता को कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचनी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मों ने स्वीकार किया है। पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है। मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल बूरता से भ्रूणित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है, फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है। इसी तरह जो जीवन देने वाला जल भी नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है। सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर दूर बन जाए तो उसे कौन समझ सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है। यह बहुत अच्छी बात है किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान ने तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष। इसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।



ललित गर्ग

भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल यह उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा? इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक असें से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय



प्रज्ञा सबार्नी

के सरकार ने वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन करके एक पारदर्शी, जवाबदेह और समान प्रतिनिधित्व की व्यवस्था के साथ प्रभाव को नकारने की दिशा में कदम आगे बढ़ाया है। संशोधनों के तहत मुस्लिम समुदाय में भी सभी वर्गों की भागीदारी का इंतजाम किया गया है। वहीं इसकीसवीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करते हुए महिलाओं के समान प्रतिनिधित्व का ख्याल रखा है। वक्फ की संपत्तियों का दुरुपयोग नहीं हो, उनका सही मूल्यांकन करते हुए उस अनुपात में राजस्व की व्यवस्था हो और सबसे जरूरी इन संपत्तियों का दुरुपयोग नहीं हो इसकी ज्यादा सक्षम व्यवस्था

प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की हैं। हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत में पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बहलाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अस्थिर पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण दुबले देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बढहाली के बावजूद वह भारत विरोधी पंचदश रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीर-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की वजह ने उनके कार्यकाल में टंग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबन्टोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद वहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जु की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में

उन्के नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जु ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बोते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बहलाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिलिक्यत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पड़ोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की

तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पड़ोसी देशों पर चीन का दबाव है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं। बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पड़ोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवन्त लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पड़ोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी स्थिति कर्तव्य नहीं बनी चाहिए कि जहां राजनीतिक दलों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जायें कि फौज का दखल देना पड़े या पड़ोसी देश अपनी स्वायत्तों की रोटियां सेंकने में सफल हो जाये। भारत के पड़ोसी देशों के लोग केवल बुराईयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्याय जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी।

इन पड़ोसी देशों के नेता दो तरह के हैं- एक वे जो कुछ भारत चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो सभी पड़ोसी देश मिलकर विश्व में एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इन पड़ोसी देशों के स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने की अपेक्षा है। भारत इस स्थिति में है, उसे मनोबल के साथ पड़ोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तयार रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है। (खक, पत्रकार, स्तंभकार)

कौसर जहां : संशोधन से आगूनी पारदर्शिता

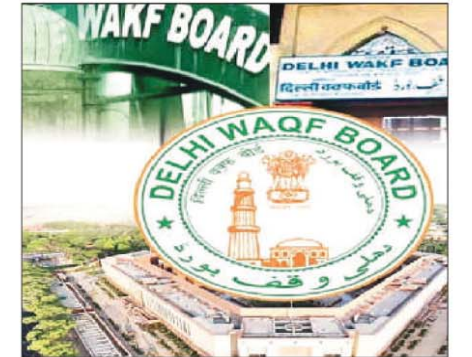
संशोधनों में की गई है। कोई भी बोर्ड या निकाय अगर जवाबदेह नहीं है और पारदर्शी नहीं है तो वहां भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही वह संस्था और उसका संचालन करने वाले लोग भी निरंकुश हो जाते हैं। नये प्रावधानों में यह व्यवस्था की गई है कि वक्फ संपत्ति को निष्पक्ष तरीके से चिह्नित किया जाए और अगर कोई विवाद है तो उसका समुचित कानूनी निस्तारण हो। मेरा मानना है इन संशोधनों से वक्फ बोर्ड ज्यादा सक्षम होगा। ज्यादा जिम्मेदार होगा। ज्यादा जवाबदेह होगा।

सरकार ने संशोधन के दो बिल तैयार किए हैं। पहले बिल के जरिए मुसलमान वक्फ कानून 1923 को समाप्त किया जाएगा जबकि दूसरे बिल के जरिए वक्फ कानून 1995 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। वक्फ कानून 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 किया गया है। इसके तहत केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में मुस्लिम और गैर मुस्लिम का उचित प्रतिनिधित्व होगा। मुस्लिम समुदायों में अन्य पिछड़ा वर्ग, शिया, सुन्नी, बोहरा, आगाखानी का प्रतिनिधित्व होगा।

इसके साथ ही महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। केंद्रीय परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में दो महिलाओं को रखना अनिवार्य होगा। वास्तव में यह

क्रांतिकारी कदम है। नये भारत में विकसित भारत की यात्रा का संकल्प पूरा करना है तो महिलाओं की भागीदारी हर स्तर पर जरूरी है। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की आभारी हूँ कि उनकी सोच देश की आधी आबादी को हर स्तर पर आगे लाने की है। वक्फ कानून में संशोधनों के तहत एक केंद्रीय पोर्टल और डेटाबेस का माध्यम से वक्फ के पंजीकरण के तरीके को सुव्यवस्थित किया जाएगा। इसके साथ ही दो सदस्यों के साथ ट्रिब्यूनल संरचना में सुधार किया जा रहा है। वहीं, ट्रिब्यूनल के आदेशों के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील के लिए नब्बे दिनों की मियाद निर्धारित की गई है। इससे विवाद कम होंगे।

वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण के लिए सर्वे कमिश्नर का अधिकार कलेक्टर या कलेक्टर द्वारा नामित डिप्टी कलेक्टर को होगा। यह सभी कदम वक्फ को ज्यादा पारदर्शी और जवाबदेह बनाएंगे। साथ ही विवाद के गुंजाइश कम होगी। बोहरा और आगाखानियों के लिए अलग बोर्ड की स्थापना का प्रावधान किया गया है। किसी भी संपत्ति को वक्फ के रूप में दर्ज करने से पहले सभी संबंधितों को उचित नोटिस दिया जाएगा। मुझे लगता यह न्यायसंगत कदम है और इससे बोर्ड पर सवाल भी नहीं उठेंगे। वक्फ परिषद में केंद्रीय मंत्री, तीन सांसद, मुस्लिम संगठनों के तीन नुमाइंदा, मुस्लिम कानून के तीन



जानकाराङ्क सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के दो पूर्व जज, एक प्रसिद्ध वकील, राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चार लोग, भारत सरकार के अतिरिक्त या संयुक्त सचिव आदि होंगे। इनमें दो महिलाओं का होना जरूरी होगा। यह समान प्रतिनिधित्व का सर्वोत्तम मॉडल है। '2013 में, वक्फ अधिनियम में संशोधन करके वक्फ बोर्डों को वक्फ संपत्ति के मामले में असीमित अधिकार दिए गए थे, जिसे किसी भी अदालत में चुनौती भी नहीं दी जा सकती। यह एक तरह से जवाबदेही और पारदर्शिता के खिलाफ था और इसमें आम मुसलमान का भी कोई लाभ नहीं था। नये प्रावधान में सभी चिंतनों का समाधान किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सखर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 09 पटना 08 800013 से छपाकर कार्यालय 203 वी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया। सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 वी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेदार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com, Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।



कृति सेनन के रांझणा बनेगे धनुष! आनंद एल राय की तैरे इश्क में के लिए मिलाया हाथ

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों रायन की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी आने वाली फिल्म कुबेर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं, इस बीच अब अभिनेता को लेकर एक और दिलचस्प खबर सामने आ रही है, जो उनकी नई फिल्म को लेकर है। खबर है कि उनकी जोड़ी एक बार फिर बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ बन सकती है। सोशल मीडिया पर यह खबर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जल्द ही एक नई फिल्म में धनुष और कृति सेनन एक साथ काम करते नजर आएंगे। 2013 में रांझणा की सफलता के बाद निर्देशक आनंद एल राय और अभिनेता धनुष एक बार फिर तैरे इश्क में नाम की एक और रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। एक साल पहले एक विशेष वीडियो के साथ इसकी घोषणा की गई थी, लेकिन अभी तक कलाकारों की पुष्टि नहीं हुई है। जिससे चर्चा है कि कृति सेनन इस संगीतमय प्रेम कहानी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए उत्सहित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृति धनुष के साथ अभिनय करने के लिए बातचीत कर रही हैं। कृति सेनन और धनुष दोनों पहले भी निर्देशक आनंद एल राय के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म एआर रहमान की म्यूजिकल होगी, जिसके बोल इरशाद कामिल द्वारा लिखे जाएंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कृति सेनन ने कुछ महीने पहले आनंद एल राय से कहानी सुनी थी और इस एक्शन लव स्टोरी की दुनिया में उतरने में दिलचस्पी दिखाई है। रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि निर्माता धनुष और कृति के अलावा एक और अभिनेता को कास्ट करना चाह रहे हैं। निर्माता कथित तौर पर कई अभिनेताओं से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही उनका चयन करेंगे। तैरे इश्क में की शूटिंग अक्टूबर 2024 में शुरू होने की उम्मीद है और ऐसे में यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी। कृति सेनन दो पती की रिलीज की तैयार कर रही हैं। वहीं, धनुष अब कुबेर में रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे।



सामंथा से पहले इन साउथ अभिनेत्रियों ने अभिनय के दम पर चमकाई सीरीज

आज के दौर में ओटीटी पर फिल्मों और वेब सीरीज को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। भागदौड़ की जिंदगी में दर्शन भी अब घर बैठे सुकून से ओटीटी पर ही अपनी पसंदीदा सीरीज देखना पसंद करते हैं। ऐसे में सभी कलाकार ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख कर रहे हैं और अपने अभिनय का दाम दिखा रहे हैं। बॉलीवुड सितारे तो क्या साउथ सिनेमा के कलाकार भी अब ओटीटी पर अपनी धाक जमाने के लिए निकल चुके हैं। ऐसे में कई साउथ अभिनेत्रियों ने भी दमदार सीरीज में काम किया है, जिसका हालिया उदाहरण सामंथा रुथ प्रभु का है। वे एक बार फिर सिटाडेल के जरिए ओटीटी पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

सामंथा रुथ प्रभु

सबसे पहले शुरुआत सामंथा रुथ प्रभु से ही करते हैं। फैमिली मेन 2 के साथ सामंथा प्रभु ने अपनी सीरीज की शुरुआत की। राज और डीके शो के निर्देशन के प्रभारी थे। सामंथा ने राजी नाम की लड़की एक किरदार निभाया और आम जनता और आलोचकों दोनों ने वास्तव में उसके काम की प्रशंसा की। सीरीज में सामंथा ने खुद को एक विद्रोही नेता के रूप में बदल दिया, जो युद्ध में माहिर है और भयानक आघात का सामना कर चुकी हैं। अब वह सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण के साथ दर्शकों को फिर से प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीरीज में वे बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। यह वरुण का ओटीटी डेब्यू होगा।



नित्या मेनन

नित्या मेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। नित्या ने अभिषेक बच्चन के साथ वेब सीरीज ब्रीद-इन्टू द शोडो में काम किया था। उन्होंने अभिषेक बच्चन की पत्नी का किरदार निभाया था। मयंक शर्मा द्वारा निर्देशित विक्रम तुली, प्रिया सागमी और अभिजीत देशपांडे की मनोवैज्ञानिक अपराध थ्रिलर में अभिषेक बच्चन, अमित साध, नित्या मेनन, सयामी खेर और इवाना कौर दिखे थे।

राशि खन्ना

अभिनेत्री राशि खन्ना भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुई हैं। उन्होंने फर्जी सीरीज में काम किया था, जिसमें वे शाहिद कपूर के साथ नजर आई थीं। सीरीज में अपने काम के बाद से ही फर्जी एक्टर राशि खन्ना को प्रशंसा मिली। सीरीज में उन्होंने आरबीआई ऑफिसर मेघा का किरदार निभाया था। शो में वह खुद को एक ईमानदार और बहुत ग्लैमरस ऑफिसर के रूप में पेश करती हैं।

प्रियामणि

इस लिस्ट के साउथ अभिनेत्री प्रियामणि भी शामिल हैं। द फैमिली मेन 2 में प्रियामणि ने सुचित्रा अय्यर की भूमिका निभाई है, जिसे सुची के नाम से भी जाना गया। सीरीज में वे एक ऐसी पत्नी थीं, जो अपने परिवार के लिए अकेले कमाने वाली बनकर तंग आ चुकी हैं। उनकी दृढ़ता और अभिनय की बहुत प्रशंसा की गई।



एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 से नहीं जुड़े विक्रम

चिथान विक्रम अपनी अगली फिल्म थंगलान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। पा रंजीत के निर्देशन में बनी यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अभिनेता जोरो-शोरो से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में वह फिल्म के प्रचार के लिए हैदराबाद में थे। इसी दौरान विक्रम ने थंगलान के प्रमोशन के साथ-साथ उस अफवाह पर भी चुप्पी तोड़ी, जिसका सच जानने के लिए प्रशंसक काफी ज्यादा उत्सुक थे। चिथान ने निर्देशक एसएस राजामौली की आगामी फिल्म एसएसएमबी29 से जुड़ाव की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी। अस्थायी रूप से एसएसएमबी29 शीर्षक वाली यह फिल्म राजामौली और तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। फिल्म ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है, खासकर राजामौली की पिछली फिल्म आरआरआर के बाद, जिसने पिछले साल इतिहास रचते हुए ऑस्कर अपने नाम किया था। यह फिल्म एक वर्ष से अधिक समय से प्री-प्रोडक्शन में है। निर्माता, कलाकार और बालक दल इसकी वर्तमान स्थिति के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। महेश के बदलते हेयर स्टाइल के अलावा, फिल्म के घटनाक्रम के बारे में बहुत कम जानकारी जारी की गई है। विक्रम को एसएसएमबी29 में शामिल किए जाने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिससे चर्चा और भी बढ़ गई है। हालांकि, इस अफवाह में बहुत कम सच्चाई लगती है। विक्रम ने पुष्टि की कि वह भविष्य में राजामौली के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन अभी तक कोई विशेष फिल्म तय नहीं की गई है। विक्रम ने कहा, राजामौली एक अच्छे दोस्त हैं। हम पिछले कुछ समय से बात कर रहे हैं। बेशक, हम कभी एक फिल्म में काम भी करेंगे, लेकिन हमने किसी खास चीज पर विचार नहीं किया है।

पुष्पा 2 के क्लाइमैक्स की शूटिंग कर रहे अल्लु अर्जुन

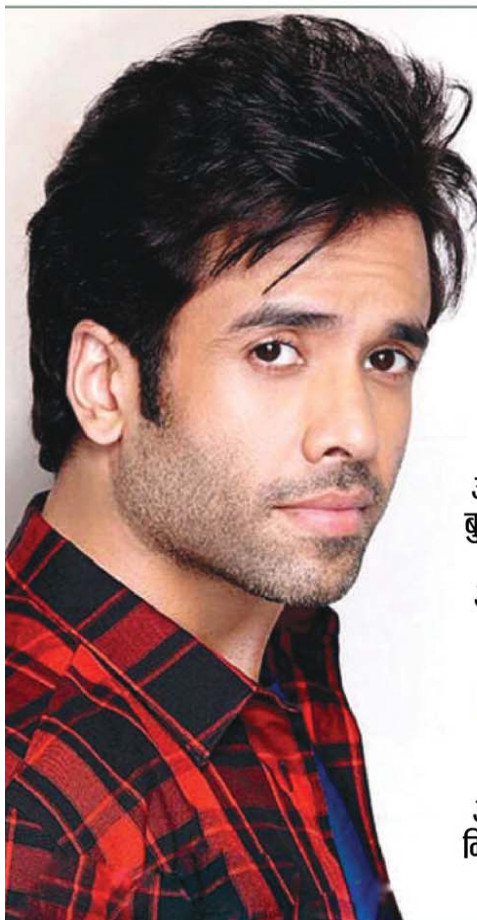
पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ी छोटी सी छेटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अल्लु अर्जुन और फिल्म निर्माता सुकुमार के बीच संभावित झगड़े की अटकलें पिछले कुछ समय से चल रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता-निर्देशक के बीच पुष्पा 2-दरुल की शूटिंग में देरी को लेकर मनमुटाव हुआ था। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इस बारे में पुष्टि नहीं की गई थी। वहीं अब निर्माताओं ने फिल्म को लेकर दिलचस्प जानकारी साझा की है। निर्माताओं ने आखिरकार अल्लु अर्जुन और पुष्पा 2 के बारे में एक नया अपडेट दिया है। अल्लु अर्जुन इन दिनों पुष्पा 2 के क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग कर रहे हैं और इसके भव्य होने की उम्मीद है। पोस्ट साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, शूट अपडेट-पुष्पा 2 दरुल वर्तमान में

क्लाइमैक्स के लिए एक शानदार एक्शन एपिसोड की शूटिंग कर रहा है। 6 दिसंबर 2024 को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज होगी। पोस्ट के अनुसार, टीम वर्तमान में इसके क्लाइमैक्स सीकेंस को फिल्मा रही है। निर्माताओं ने पुष्पा 2 की रिलीज की तारीख की भी पुष्टि की। खबर की घोषणा करते हुए, निर्माताओं ने फिल्म से एक छोटा सा अंश साझा किया, जिसमें पुष्पा राज उर्फ अल्लु अर्जुन अपने रोमांचक अवतार में नजर आ रहे हैं। पुष्पा 2-दरुल के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ ही इस अपडेट ने फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि सीकल में शानदार नाटकीय अनुभव के लिए हाई-ऑक्टन एक्शन सीकेंस दिखाए जाएंगे। पुष्पा 2 - दरुल की कहानी निर्देशक सुकुमार और श्रीकांत विसा द्वारा लिखी गई है।



नागेश कुकुनूर की मिसेज देशपांडे में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित!

माधुरी दीक्षित निर्देशक नागेश कुकुनूर के साथ अपनी आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर वेब सीरीज मिसेज देशपांडे में नजर आएंगी। माधुरी दीक्षित ने पिछले कुछ सालों में कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से प्रशंसकों का दिल जीता है। अपने शानदार अभिनय के साथ ही माधुरी ने अपने बेहतरीन डॉस के जरिए भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। वहीं मिसेज देशपांडे में माधुरी को एक अलग किरदार में देखा प्रशंसकों के लिए काफी मनोरंजक रहेगा। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने टीवी रियलिटी शो और वेब सीरीज में भी बेहतरीन काम किया है। 2022 में द फेम गेम के साथ डिजिटल में अपनी शुरुआत करने के बाद अब माधुरी आगामी शो मिसेज देशपांडे में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस आगामी सीरीज में माधुरी एक सीरियल किलर की भूमिका में नजर आ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, माधुरी दीक्षित एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म में सीरियल किलर की भूमिका निभाने के लिए बातचीत कर रही हैं, जिसे नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित किया जाएगा। इस वेब सीरीज का नाम मिसेज देशपांडे है। शो की कहानी बताती है कि कैसे पुलिस एक सीरियल किलर को काम पर रखती है और दूसरे सीरियल किलर के तरीके को समझने और उसे पकड़ने के लिए उसके दिमाग का इस्तेमाल करती है। बता दें यह शो एक फंश सीरीज का रीमेक है। बहरहाल, वेब सीरीज की कास्टिंग का काम चल रहा है। वहीं माधुरी के प्रशंसक उनको एक डार्क रोल में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। नागेश कुकुनूर को मॉडर्न लव हैदराबाद के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उन्होंने सिटी ऑफ ड्रीम्स नाम की वेब सीरीज का भी निर्देशन किया है।



मैं अच्छी और बुरी किस्मत में विश्वास करता हूँ, आज फिल्म रिलीज करना बहुत मुश्किल है

एक्टर-प्रड्यूसर तुषार कपूर बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। उनका मानना है कि अच्छी और बुरी किस्मत होती है और हम अपनी प्रार्थनाओं से भाग्य बदल सकते हैं। तुषार ने कहा, मैं अच्छे और बुरे भाग्य में यकीन करता हूँ। हम इस दुनिया में कुछ खास कर्मों के साथ आए हैं। कुछ लोग कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें एक निश्चित सीमा से ज्यादा कामयाबी नहीं मिल पाती, कुछ न कुछ बाधाएँ उनके रास्ते में आती रहती हैं। एक्टर ने आगे कहा, और कभी-कभी, ऐसे लोगों को बड़ी कामयाबी मिल जाती है, जो लोग आलसी होते हैं, लेकिन चीजें उनके लिए सही हो जाती हैं।

मेरा मानना है कि यह सब आपके कर्म से जुड़ा है उनका मानना है कि लंबे समय के लिए कड़ी मेहनत ज्यादा फायदेमंद होती है। एक्टर ने कहा, ये आपके टारगेट तक पूरा करने के लिए लगने वाले समय को कम कर सकता है या इससे चीजों में देरी भी हो सकती है, यह सब आपके भाग्य पर निर्भर करता है। मेरा मानना है कि यह सब आपके कर्म से जुड़ा है।

मैं बौद्ध धर्म को मानने वाला हूँ, इसलिए मुझे लगता है कि आप हमेशा अपने कर्म और भाग्य को बदल सकते हैं, अपने जीवन में और अधिक सौभाग्य जोड़ सकते हैं, अपनी किस्मत बदल सकते हैं। मैं अच्छे और बुरे भाग्य में विश्वास करता हूँ, लेकिन मेरा मानना है कि यह तय नहीं है और आप इसे बदल नहीं

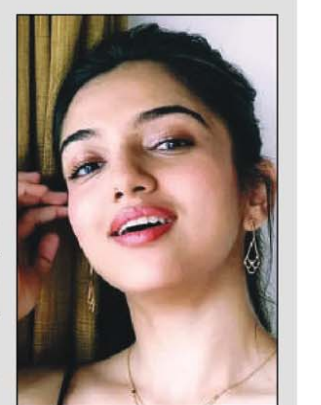
सकते। मेरा मानना है कि प्रार्थना से आप अपनी किस्मत बदल सकते हैं। ओटीटी शो दस जून की रात में नजर आ रहे हैं तुषार फिलहाल ओटीटी शो दस जून की रात में नजर आ रहे हैं। इसमें वह भागेश का किरदार निभा रहे हैं, जिसकी किस्मत खराब है। यह पूछे जाने पर कि उन्हें क्या ज्यादा पसंद है, फिल्म या ओटीटी, तुषार ने कहा, पहला प्यार हमेशा फिल्म ही है, लेकिन एक एक्टर के तौर पर सेट पर जाकर परफॉर्म करना और एक अच्छी टीम के साथ काम करना...मुझे लगता है कि यह हर जगह एक जैसा है, फिर चाहे वह कोई फिल्म हो या वेब-शो।

आज फिल्म रिलीज करना बहुत मुश्किल है उन्होंने कहा कि इसकी तुलना रियलिटी शो के काम से की जा सकती है, जिसका अनुभव कुछ अलग है। तुषार ने कहा, मैं ये नहीं कहूँगा कि एक दूसरे से बेहतर है। लेकिन हाँ, आज फिल्म रिलीज करना बहुत मुश्किल है। बहुत तनाव है, अगर महामारी है या कई मल्टीपल फिल्म रिलीज है, तो स्क्रीन की परेशानी सामने आती है। लेकिन वेब शो के लिए, यह समस्या नहीं होती, क्योंकि यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होता है और दर्शक इसे कभी भी और कहीं भी देख सकते हैं।

वेब शो कम चुनौतीपूर्ण है उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों से शुरुआत की, उसकी खुशी ही कुछ अलग है। यह उस मायने में बेहतर है। वहीं वेब शो कम चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जहाँ तक अच्छी रिलीज का सवाल है, आपको उसका फल मिलता है। इसलिए, यह भी एक अलग ही खुशी देता है। बता दें कि दस जून की रात जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हो रही है।

गर्ल्स हॉस्टल से अहसास चन्ना को मिली थी पहचान

अहसास चन्ना आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। वह कई वेब सीरीज में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुकी हैं। सीरीज से पहले वह यूट्यूब चैनल की सीरीज और कई शॉर्ट वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं। अहसास ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। महज पांच साल की उम्र में सुभिता सेन के साथ उनकी पहली फिल्म वास्तु शास्त्र आई थी। ओह माय फंड गणेशा, कभी अलविदा न कहना और आर्यन जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।



ओलंपिक विवाद के बाद स्वदेश लौटी अंतिम पंघाल

नई दिल्ली। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आईं। यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया। इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गईं और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया। अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गईं थीं। भारत वापस लौटने से पहले मीडिया से बात करते हुए 19 वर्षीय अंतिम ने कहा, "मेरा कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और भ्रम की स्थिति थी। यह सब भ्रम की वजह से हुआ।" बाद में एक वीडियो में अंतिम ने स्वीकार किया कि उसे पुलिस थाने जाना पड़ा लेकिन केवल अपने मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए। उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए अच्छा दिन नहीं था। मैं हार गई। मेरे बारे में बहुत कुछ फैलाया जा रहा है, यह सच नहीं है। मुझे तेज बुखार था और मैंने अपनी बहन के साथ हॉटेल जाने के लिए अपने कोच से अनुमति ले ली थी।" अंतिम ने कहा, "मुझे अपने कोच सामान की जरूरत थी जो खेल गांव में था। मेरी बहन ने मेरा कार्ड लिया और वहां अधिकारियों से पूछा कि क्या वह मेरा सामान ले सकती है। वे उसे मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले गए।" उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि उनके कोच नशे में थे और फिराफ को लेकर टैक्सी ड्राइवर से उनकी कहासुनी हो गई थी। अंतिम ने कहा, "मेरे कोच प्रतियोगिता स्थल पर ही रुक गए थे और जब वे वापस आना चाहते थे तो हमने उनके लिए एक केब बुक की। मेरे कोच के पास पर्याप्त नकदी नहीं थी और भाभा संबंधी समस्याओं के कारण टैक्सी ड्राइवर से उनकी बहस हो गई।"

संकल्प और समर्पण की मिसाल हैं अरशद नदीम

कराची। पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बोर्ड जब यह तय कर रहा था कि पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले सात खिलाड़ियों में से किसका खर्च वहन करना है तो उसे केवल अरशद नदीम और उनके कोच ही इस लायक लगे। नदीम और उनके कोच सलमान फ़ायज बट भाग्यशाली थे, जिनके हवाई टिकटों का खर्च पीएसबी (पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड) ने वहन किया। पंजाब क्षेत्र के खानेवाल गांव के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को भाला फेंक में नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत कर उन पर दिखाए गए भरोसे को सही ठहराया। छह फुट तीन इंच लंबे नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर भाला फेंक कर तीनों पदक का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के नीरज चोपड़ा ने भी इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर की दूरी नापकर रजत पदक हासिल किया। यह 11 मुक़ाबलों में पहला अवसर है जबकि नदीम ने चोपड़ा को पीछे छोड़ा। चोपड़ा अपने करियर में अभी तक 90 मीटर भाला नहीं फेंक पाए हैं जबकि नदीम पहले भी यह कारनामा कर चुके हैं। चोपड़ा के पास जहां हर तरह की सुविधा उपलब्ध है वहीं नदीम ने ऐसा समय भी देखा था जब उनके पास अपने लिए भाला खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे। नदीम के पिता मोहम्मद अशरफ ने कहा, "लोग नहीं जानते हैं कि अरशद इस मुकाम तक कैसे पहुंचे।" उसके दोस्त, गांव के लोग और रिश्तेदार उसके लिए चंदा जुटाते थे ताकि वह अस्थाय और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दूसरे शहरों की यात्रा कर सके। "पाकिस्तान ने कुल सात खिलाड़ियों को पेरिस भेजा और उनमें से छह अपनी-अपनी स्पर्धाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। नदीम के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद से ही उनके घर में जश्न मनाया जाने लगा था तथा उनके माता-पिता गांव वालों में मिठाई बांटने लग गए थे। नदीम पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक और राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 90.18 मीटर श्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। अपने करियर में कोहनी, घुटने और पीठ की समस्याओं से जूझने और दूसरे देश के खिलाड़ियों को तरह सुविधाएं नहीं होने के बावजूद नदीम ने जो कारनामा किया उसे पाकिस्तान के खेल इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा।"

किसी ने सोचा नहीं था लेकिन हमें पता था कि हम पदक जीतेंगे: फुल्टोन

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम के कोच क्रैग फुल्टोन ने कांस्य पदक से अधिक की उम्मीद की थी लेकिन उन्हें खुशी है कि 'अंडरडॉग' भारतीय टीम ने निराशा से उबरकर पदक जीता। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। फुल्टोन ने कहा, "हम इससे खुश नहीं हैं। हम पदक का बेहतर रंग चाहते थे लेकिन नहीं हुआ। लेकिन उसके बाद यही कर सकते थे कि पदक जीतकर ही लौटें।" उन्होंने कहा, "सबसे बड़ी बात यह है कि हम एक टीम बने और वह भी बहुत कम समय में। हमें विश्वास की जरूरत थी जो सबसे अहम है। हमने एशियाई खेलों से शुरुआत की हालांकि आस्ट्रेलिया में और प्रो लीग में कठिन समय भी देखा।" उन्होंने कहा, "हमें पता था कि हम पदक जीत सकते हैं। हम यहां अंडरडॉग की तरह आये थे। किसी ने सोचा नहीं था कि हम सेमीफाइनल में होंगे।"

पुणेरी पल्टन टीम में चोटिल नीना मित्तलहम की जगह नतालिया बाजोर शामिल

मुंबई। पोलैंड की नतालिया बाजोर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के आगामी सत्र से पहले पुणेरी पल्टन टीम में नीना मित्तलहम की जगह लेंगी। यह घोषणा शुक्रवार को की गई। दुनिया की 37वें नंबर की खिलाड़ी बाजोर जर्मनी की मित्तलहम की जगह लेंगी जिन्हें पेरिस ओलंपिक के राउंड 32 के एकल मैच में हाथ में चोट लग गई थी। यूटीटी का आगामी सत्र 22 अगस्त से सात सितंबर तक चेन्नई में आयोजित होगा। पुणेरी पल्टन टीम- अयहिका मुखर्जी, अंकुर भट्टाचार्य, अनिबान घोष, याशिनी शिवशंकर, नतालिया बाजोर (पोलैंड) और जोआओ मोंटेइरो (पुर्तगाल)।

सचिन तेंदुलकर बोले- विनेश फोगाट रजत पदक की हकदार, हमें फैसले का इंतजार

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने पेरिस ओलंपिक में महिला 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा वर्ग की स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले वजन मापने के दौरान 100 ग्राम अधिक पाया गया जिससे उन्हें अयोग्य करार दिया गया। विनेश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिये। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हर खेल के कुछ नियम होते हैं और उन नियमों को संदर्भ में देखने की जरूरत है, शायद कभी-कभी उन पर दोबारा गौर भी किया जाना चाहिये।" उन्होंने लिखा, "विनेश फोगाट ने निष्पक्षता से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वजन के आधार पर उनकी अयोग्यता फाइनल से पहले हुई थी और ऐसे में उससे रजत पदक छीन लिया जाना तर्क और खेल की समझ से परे है।" मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि अगर खिलाड़ी अनैतिक चीजों का इस्तेमाल करे तो उसे अयोग्य करना जायज है लेकिन विनेश के मामले में ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "यह समझ में आता अगर किसी एथलीट को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग जैसे नैतिक उल्लंघनों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाता। उस स्थिति में, किसी भी पदक से सम्मानित न किया जाना और अंतिम स्थान पर रखा जाना उचित होगा।" उन्होंने कहा, "विनेश ने शीर्ष दो में पहुंचने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया।"



भारतीय टीम अब एक माह आराम के बाद बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरा समाप्त हो गया है। इस दौरे में भारतीय टीम को जहां टी20 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 3-0 से जीत मिली थी। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को श्रीलंका में 27 साल के बाद किसी एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। अब भारतीय टीमको करीब एक माह से अधिक का ब्रेक मिला है। टीम अब अपना अगला मैच 19 सितंबर को बांग्लादेश से अपनी ही धरती पर खेलेगी।

ओलंपिक के कारण सर्जरी टाल रहा था लेकिन अब फैसला लेना होगा : नीरज चोपड़ा

पेरिस(एजेंसी)।

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है।

नीरज पेरिस खेलों से पहले जांच के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं। उन्होंने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रेक एवं फील्ड एथलीट बन गए। उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था।

नीरज पाकिस्तान के अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड श्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नदीम इसके साथ ही पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए।

नीरज ने कहा, "मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था। जब मैं थो कर रहा होता हूँ तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मैं चोटिल नहीं होना चाहता था। जब भी मैं श्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी।"

प्रधानमंत्री ने चोट के बावजूद दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए नीरज की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को चोट से जूझने के बावजूद अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीतने करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने नीरज के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान के अरशद नदीम के बारे में टिप्पणियों के लिए उनकी मां सरोज देवी की भी सराहना की। सरोज ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम के लिए खुशी व्यक्त करते हुए उसे 'अपने बेटे जैसा' बताया था। नीरज ने प्रधानमंत्री को बताया कि चोट के कारण वह स्वर्ण पदक हासिल करने से चूक गये। मोदी ने उनसे स्वर्ण पदक चूकने पर ध्यान नहीं देने की सलाह देते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ियों को दो ओलंपिक पदक जीतने का गौरव प्राप्त होता है। मोदी ने कहा, "आपने चोट के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है, जो अविश्वसनीय है। यह हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। देश के लिए कुछ करने का यही जज्बा हमें प्रेरित करता है।" उन्होंने कहा कि वह नीरज की चोट पर विस्तार से चर्चा करना चाहेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि आगे चलकर इसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है। नीरज ने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे और आगामी खेल आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने 89.45 मीटर का थ्रो फेंककर पेरिस में रजत पदक हासिल किया। नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रेक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 'एक्स' पर लिखा था कि नीरज उत्कृष्टता के साकार रूप हैं। मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा, "नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का साकार रूप हैं। बार बार उन्होंने अपनी श्रेष्ठता की बानगी दी है। भारत हर्षित है कि उन्होंने एक बार फिर ओलंपिक में सफलता पाई है।" उन्होंने कहा, "रजत जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले असंख्य एथलीटों को अपने सपने पूरे करने और देश को गौरवान्वित करने के लिये प्रेरित करते रहेंगे।" अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज की मां सरोज देवी ने स्वर्ण पदक विजेता नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके 'बच्चा' जैसा है।

उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, "डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था। ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है।" नीरज ने इस विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के

बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है।

नीरज ने निराशा भरे लहजे में कहा, "मैंने अब भी इसे जारी रखा है।" उन्होंने कहा, "खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है। आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो

2017 में यह दर्द महसूस हुआ। उसके बाद मैंने बहुत इलाज करवाया। लेकिन इसके लिए मुझे एक बड़ा फैसला लेना होगा।"

नीरज ने 90 मीटर की दूरी का जिक्र किये बिना कहा कि उनके पास और बड़ा थ्रो करने की क्षमता है। नीरज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में आया था जब उन्होंने 89.94 मीटर की दूरी हासिल की थी। उन्होंने कहा, "मैंने 2016 अच्छी दूरी तय की और फिर 2018 में मैंने एशियाई खेलों में 88 मीटर का थ्रो किया था। उसके बाद मुझे लगता है कि इसमें काफी सुधार कर सकता हूँ। इसलिए, जब तक ऐसा नहीं होता, मैं इस कोशिश को जारी रखूंगा। मैं आपको बताना चाहता हूँ मेरा पास काफी अधिक क्षमता है।" उन्होंने कहा, "और मैं यह करूंगा। मैं अपने दिमाग को भविष्य के लिए तैयार रखूंगा। मैं चीजों पर काम करूंगा। मैं खुद को फिट रखूंगा।" उन्होंने कहा कि इस चोट के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। इस खिलाड़ी ने कहा, "मैं अपनी पूरी रन अप के साथ भाला नहीं फेंक पा रहा था। मैं पिछले एक-दो साल से कम रन अप के साथ प्रयास कर रहा हूँ। अस्थाय से खिलाड़ी एक सत्र में 40-50 थ्रो करते हैं लेकिन चोटिल होने के डर के कारण मुझे ऐसा करने में दो-तीन सप्ताह लग गये।"

आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे।" उन्होंने कहा कि वह इस मसले पर अपनी टीम से चर्चा कर 'कोई फैसला करेंगे'। उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले सात साल उनके लिए कितने कठिन रहे हैं। उन्होंने कहा, "मुझे

समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे पीआर श्रीजेश, मनु भाकर

नई दिल्ली। बुधवार को फ्रांस की राजधानी में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त करने वाली भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश 11 अगस्त को पेरिस 2024 ओलंपिक के समापन समारोह के दौरान मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे। 36 वर्षीय श्रीजेश 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में सफल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक

के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के नामांकन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। आईओए अध्यक्ष डॉ पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे, जिसमें शेफ डी मिशन गगन नारांग और संपूर्ण भारतीय दल शामिल थे। उन्होंने कहा, श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और सामान्य तौर पर भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है। डॉ. उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की है, जिन्होंने गुरुवार को रजत पदक जीतकर लगातार ओलंपिक खेलों में दूसरा पदक जीता है। उन्होंने

कहा, मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए। उन्होंने मुझे से कहा, %मैम, अगर आपने मुझे से नहीं भी पूछा होता तो भी मैं श्रीभाई का नाम सुझाता। बात दें कि कुछ दिन पहले ही मनु के नाम का ऐलान हुआ था। भारत की आजादी के बाद वह एक ही ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सबजोत सिंह के साथ) में कांस्य पदक जीता था।

सीएस को विनेश फोगाट मामले में ओलंपिक खेल समाप्त होने से पहले फैसला आने की उम्मीद

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के मामले में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएस) ने बड़ा अपडेट दिया है। सीएस ने बताया है कि विनेश फोगाट की अयोग्यता के खिलाफ उनकी याचिका पर फैसला ओलंपिक खेलों के समाप्त होने से पहले आने की उम्मीद है। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएस) ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की ओर से 7 अगस्त को 16:45 सीईएसटी (टाइम) पर सीएसएस एड हॉक डिवीजन में एक अपील दायर की गई थी। विनेश ने सीएसएस एड हॉक डिवीजन से चुनौती दिए गए निर्णय को रद्द करने और अंतिम मैच से पहले एक बार और वजन मापने का आदेश देने के साथ-साथ उन्हें फाइनल में भाग लेने के लिए योग्य घोषित किए जाने की मांग की थी। हालांकि, उन्होंने तत्काल अंतरिम उपायों का अनुरोध नहीं किया। सीएसएस एड हॉक डिवीजन प्रक्रिया तेज है, लेकिन पक्षों के बीच योग्यता पर निर्णय जारी



करना संभव नहीं था, यह ध्यान में रखते हुए कि प्रतिवादी यूडब्ल्यूडब्ल्यू को पहले सुनना होगा। हालांकि, प्रक्रिया चल रही है और आवेदक ने पुष्टि की है कि वह चुनौती दिए गए निर्णय को रद्द करना चाहती है और वह एक (संयुक्त) रजत पदक से सम्मानित होने का अनुरोध करती है। सीएसएस के अनुसार इस मामले को दो। एनाबले बेनेट एसी एससी (ऑस्ट्रेलिया) को भेजा गया है, जो एकमात्र मध्यस्थ के रूप में पक्षों के साथ सुनवाई करेंगे। एकमात्र मध्यस्थ का निर्णय ओलंपिक खेलों की समाप्ति से पहले जारी होने की उम्मीद है।

अब कांस्य पदक का मैच खेलेंगे, अंशु बाहर

पहलवान अमन सहरावत सेमीफाइनल में हारे

पेरिस, (एजेंसी)।

भारत के युवा पहलवान अमन सहरावत पेरिस ओलंपिक के पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के शुरुआती दो मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता से जीतने के बाद बृहस्पतिवार को यहां जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा सेमीफाइनल में पराजित हो गये जिससे अब कांस्य पदक का मैच खेलेंगे।

रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जापान के अनुभवी पहलवान हिगुची ने पहले ही राउंड में दो मिस्ट के अंदर तकनीकी श्रेष्ठता से आसानी से 10-0 से जीत दर्ज की। छत्रसाल अखाड़े के प्रतिभाशाली पहलवान अमन ने प्री क्वार्टरफाइनल और क्वार्टरफाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था। पर हिगुची के खिलाफ आक्रामक खेल नहीं दिखा पाये और एक भी अंक नहीं जुटा सके।

अब वह शुक्रवार को रात 10.45 बजे कांस्य पदक के मैच में पुअर्तो रिको के



डारियान टोई वरूज से भिड़ेंगे।

अमन ने क्वार्टरफाइनल में अल्बेनिया के जेलिमखान अब्बाकारोव पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-0) की जीत से सेमीफाइनल में पहुंचकर कुश्ती में देश की पदक की उम्मीद जगायी।

एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले देश के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन ने क्वार्टर फाइनल में अब्बाकारोव पर

आसानी से जीत हासिल की। पहले राउंड में अब्बाकारोव की 'पैसिविटी' (निष्क्रियता) के कारण एक अंक और फिर 'टेक डाउन' से दो अंक हासिल किये। दूसरे राउंड में भी पूर्व विश्व चैंपियन अब्बाकारोव का यही हल रहा जिसके बाद भारत के 21 वर्षीय युवा पहलवान ने फितले बांधने (दोनों पैर पकड़कर कई बार घुमाना) की कोशिश और कामयाब भी हुए। इस तरह उन्होंने लगातार आठ अंक जुटाये और 10 से

ज्यादा अंक जुटाकर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत गये। पर अब्बाकारोव ने अंत में मिले दो अंक को चुनौती दी लेकिन रैफरी ने अमन के पक्ष में फैसला किया जिससे उन्हें एक अंक अंक मिला।

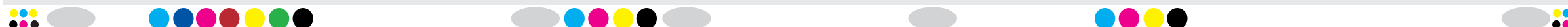
इससे पहले अमन उत्तर मैसेडोनिया के प्रतिद्वंद्वी क्लादिमीर इगोरोव के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। मुकाबले के दौरान अमन काफी फुलीले दिखे और उन्होंने अपना डिफेंस बरकरार रखते हुए पूर्व यूरोपीय चैंपियन को तकनीकी दक्षता के आधार पर 10-0 से जीत हासिल की।

पहले राउंड में 29 वर्षीय इगोरोव थोड़े परेशान दिखे और अमन के 'आल आउट' आक्रमण के बाद उन्हें घुटने के लिए चिकित्सा लेनी पड़ी।

अमन ने प्रतिद्वंद्वी को वापसी नहीं करने दी। अमन ने 'टेकडाउन' करके दो और अंक जुटाये और 10-0 से बढ़त बना ली जबकि अभी मुकाबला खत्म होने में दो

मिनिट बाकी थे। महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा में अंशु मलिक हारी, रेपेचेज की उम्मीद टूटी-अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा ले रही भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में अपने से अनुभवी दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवीं वरीय हेलेन लुसी मैरैयुलिस से 2-7 से हार गईं। अंशु के रेपेचेज में खेलने के लिए मैरैयुलिस को फाइनल तक पहुंचना था लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

मैरैयुलिस सेमीफाइनल में जापान की सुगुमी साकुराई से 4-10 से हार गईं। प्रीक्वार्टरफाइनल के पहले राउंड में अमेरिका की रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान मैरैयुलिस से शुरु से दबदबा बनाते हुए बढ़त हासिल की। इसमें अंशु काफी 'डिफेंसिव' लग रही थी, पर उन्होंने दुनिया की इस मशहूर पहलवान को और अंक नहीं बनाने दिये।



10 सितंबर को ट्रंप और हैरिस में छिड़ी ज़ुबानी जंग, दोनों नेताओं ने दी सहमति

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस 10 सितंबर को चुनावी बहस करने को तैयार हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है। ट्रंप ने कहा कि वह सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत पहली बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर चुनाव से हटने के लिए चोतरफा दबाव डाला गया था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम प्रस्तावित किया था जिसे पार्टी ने भी मंजूरी दे दी है। अब ट्रंप और हैरिस 10 सितंबर को आमने-सामने आकर एक दूसरे पर राजनीतिक हमले करेंगे।

बांग्लादेश की दो जेलों में झड़प और गोलीबारी, छह कैदियों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा के बीच हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अब जेलों में मारकाट शुरू हो गई है। पिछले 24 घंटे में झड़प और गोलीबारी में छह कैदी मारे गए हैं। कई जेल मुलाजिम घायल हुए हैं। जेल अधिकारियों को जान बचाने के लाले पड़े हुए हैं। शुक्रवार को दोपहर करीब दो बजे चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में कैदियों और गार्डों के एक वर्ग के बीच झड़प के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। अधिकारियों ने बताया कि जमालपुर जिला जेल में गुरुवार दोपहर कैदियों के दो समूहों के बीच झड़प में छह कैदियों की मौत हो गई। इस झड़प में जेलर और सात बंदीरक्षक घायल हो गए। मृत कैदियों के नाम अरमान, रेहान, श्यामल, फजले रबी बाबू, जसीम और राहत हैं। ये सभी जमालपुर सदर उपजिला के निवासी थे। जेलर अबू फताह ने कहा है कि स्थिति पर काबू पाने के बाद कैदियों ने उन्हें बंधक बनाकर जेल से भागने की कोशिश की। कैदियों ने जेल के भीतर दो इमारतों, उनके कार्यालय और एक मुख्य द्वार में तोड़फोड़ की। इस दौरान 14 जेल प्रहरीयों को बंधक बना लिया। आज दोपहर में चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में कैदियों और गार्डों के एक वर्ग के बीच झड़प के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। अब स्थिति सामान्य है। जेल में सेना, रेडिड एवशन बटालियन (आरएबी), पुलिस और अभिनशन सेवा को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल चार कैदियों और तीन जेल प्रहरीयों को मैमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल और जमालपुर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जमालपुर जिला जेल में वर्तमान में 669 कैदी हैं। इनमें से 100 सजायापता कैदी हैं। चट्टोग्राम मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि जब कैदियों के एक वर्ग ने प्रदर्शन किया और जेल के एक कमरे को तोड़ने की कोशिश की तो जेल गार्डों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोलीबारी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को बुलाया गया है।

चीन में एक बंदरगाह पर मालवाहक पोत में विस्फोट के बाद आग लगी

बीजिंग। चीन में प्रशांत महासागर के तट पर स्थित एक प्रमुख बंदरगाह पर खतरनाक सामान से दले एक मालवाहक पोत में जोरदार विस्फोट के बाद आग लग गई। सरकारी मीडिया और अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी चैनल की ओर से निगरानी कैमरे के वीडियो को ऑनलाइन माध्यम से प्रसारित किया गया है। वीडियो में सफेद धुंए का एक बड़ा गुबार दिखाई दे रहा है जिसके बाद नारंगी और पीले रंग का आग का गोला दिखा। सीसीटीवी चैनल के अनुसार शंघाई के दक्षिण में स्थित निंबो-झोउशन बंदरगाह पर हुए विस्फोट और उसके बाद लगी आग से किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है। यह बंदरगाह दुनिया के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। माना जा रहा है कि पोत पर रखे गए एक कंटेनर में विस्फोट हुआ। प्रसारणकर्ता द्वारा पोस्ट की गई हवाई तस्वीर में पोत के एक छोर पर रखे कंटेनरों के ढेर से और बंदरगाह के एक हिस्से से काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। पोत और उसके कंटेनरों का बाकी हिस्सा सुरक्षित दिखाई दिया। झोजियांग प्रांत आपातकालीन प्रबंधन प्रशासन ने कहा कि पोत पर श्रेणी-पांच की खतरनाक सामग्री लदी हुई थी, हालांकि यह सामग्री क्या थी इसके संबंध में जानकारी नहीं दी गई।

तुर्किये में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 26 घायल

अंकारा। तुर्किये में शुक्रवार को एक बस के सड़क किनारे एक खम्भे से टकराने से उसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गवर्नर वासिप शाहिने ने हैबरटर्क टेलीविजन स्टेशन को बताया कि यह दुर्घटना राजधानी अंकारा से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) दूर पोलाटली शहर के निकट हुई। दुर्घटना के बाद पुलिस ने घटना के घेरे में सड़क से देश के पूर्व में एग्री शहर की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद सड़क को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों को पोलाटली और अंकारा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया

ढाका। बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। युनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शोख हसीना का स्थान लिया है। शोख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं। युनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख ए.एफ.एम. खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरुज्जहाँ बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शमीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रेक्टर्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चक्रमा, प्रोफेसर बिधान रंजन राय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है। डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, "दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।" प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, "जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है।"

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया

ढाका। बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। युनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शोख हसीना का स्थान लिया है। शोख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था।



संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य की गवर्नर मिशेल लुजान गिग्राम के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन, नई दिल्ली में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की।

हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा, "यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए। निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।" वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे। सोमवार को प्रधानमंत्री शोख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत



आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और आवामी लीग से

जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनुस

को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की "सरकार बनाने की एक समावेशी

कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर टिम वाल्ज को चुना

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। कमला हैरिस ने अपने रनिंग मैट यानी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर टिम वाल्ज को चुना है। मगर कमला हैरिस की पसंद टिम वाल्ज का चीनी कनेक्शन सामने आया है। कमला हैरिस की पसंद टिम वाल्ज चीन के सो कॉलड थार निकल गए। चीन में लोग उन्हें प्यार से चाइनाज मैन कहते हैं। हालांकि, टिम वाल्ज के इस चीन कनेक्शन को लेकर डेमोक्रेट्स को रिपब्लिकन ने घेरना शुरू कर दिया है। दरअसल, डेमोक्रेटिक की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज के चीन के साथ दशकों पुराने संबंध हैं। टिम वाल्ज चीन में जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। युनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शोख हसीना का स्थान लिया है। शोख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं। युनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख ए.एफ.एम. खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरुज्जहाँ बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शमीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रेक्टर्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चक्रमा, प्रोफेसर बिधान रंजन राय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है। डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, "दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।" प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, "जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है।"

इस्लामाबाद, (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिनों के लिए बढ़ा दी है। मीडिया में शुक्रवार को जारी की गई खबरों में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार %द एक्सप्रेस टिब्यून अखबार% में प्रकाशित खबर में कहा गया है कि जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा की अध्यक्षता में रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदालत कक्ष में स्थापित अस्थायी अदालत कक्ष में बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई की गई। न्यायाधीश राणा ने तोशाखाना के नये भ्रष्टाचार मामले में खान और बीबी की 10 दिन की रिमांड समाप्त होने के बाद इसे 11 और दिनों के लिए बढ़ा दिया। पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता इमरान खान

ब्राजील ने निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया

साओ पाउलो। ब्राजील की सरकार ने बृहस्पतिवार को मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया। इससे पहले निकारागुआ के राष्ट्रपति डैनियल ओर्टेगा ने ब्राजील के राजदूत को देश से जाने का आदेश सुनाना था। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने निकारागुआ के राजदूत फुल्विया पेद्रीसिया कास्त्रो माटू को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय "मानगुआ से ब्राजील के राजदूत को हटाने के निकारागुआ सरकार के कदम के बदले में लिया गया।" बयान में कहा गया कि राजदूत बेने दा कोस्टा मध्य अमेरिकी देश छोड़ चुके हैं। निकारागुआ की सरकार ने कहा कि निकारागुआ और ब्राजील के राजदूतों ने अपने पद छोड़ दिए हैं, लेकिन उसने इस कदम के पीछे के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान और बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिन तक बढ़ाई



(71) कई मामलों में दोषी उद्घार जाने के बाद पिछले एक साल से अधिक समय से अदालत कक्ष में बंद है। उनकी पत्नी 49 वर्षीय बीबी भी उनके साथ जेल में बंद हैं। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अदालत को बताया कि खान ने पिछले 10 दिनों की रिमांड के दौरान केवल दो बार जांच टीम के साथ सहाय्य किया था। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने अदालत से मामले की जांच के लिए

आतंकियों वाले हथियारों का उपयोग बांग्लादेश की हिंसा में हुआ : वाजेद जॉय

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शोख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने दावा करते हुए कहा कि बांग्लादेश को हिंसा की आग में झोंकने वाला कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई है। घटना में जिन हथियारों का उपयोग हुआ है वे केवल विदेशी ताकतों या फिर आतंकी संगठनों द्वारा ही मुहैया कराई जा सकती हैं। उन्होंने बांग्लादेश में तनाव और हिंसा के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। वाजेद ने कहा, हमें बहुत सारे सबूत मिले हैं। हमें संदेह है कि इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की आइएसआई का हाथ था। जॉय ने दावा किया है कि लोकतंत्र बहाल होने के बाद शोख हसीना बांग्लादेश में वापसी करेंगी। हालांकि यह फैसला नहीं हुआ है कि वह राजनीति में सक्रिय रहेंगी या फिर संन्यास ले लेंगी। उन्होंने कहा कि शोख मुजीब के परिवार के लोग बांग्लादेश के लोगों को कभी अकेला नहीं छोड़ेंगे। वहीं पार्टी की भी लावारिस नहीं छोड़ जाएगा। उन्होंने कहा, यह भी सच है कि मैंने ही कहा था कि वह अब कभी बांग्लादेश वापस नहीं जाएंगी। लेकिन दो दिनों में बहुत कुछ बदल चुका है। पूरे देश में हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। अब हम अपने लोगों को सुरक्षित करने के लिए हर संभव काम करेंगे। हम उन्हें अकेले नहीं छोड़ सकते। आवामी लीग बांग्लादेश के सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी है। इसलिए हम अपने लोगों को छोड़कर भाग नहीं सकते। वह बांग्लादेश जरूर लौटेंगी।

खतम होता जा रहा है।- खान ने कहा कि बेचने का आरोप लगाया। एनएबी ने उनके खिलाफ ताजा तोशाखाना मामला तब दर्ज किया जब पिछले महीने जिला एवं सत्र न्यायालय ने गैर-इस्लामिक विवाह मामले में उनकी दोषसिद्धि को खारिज कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि दोनों को तत्काल रिहा कर दिया जाना चाहिए, जब तक कि वे अन्य मामलों में वांछित न हों। तोशाखाना मामले में बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के बाद खान ने संवाददाताओं से कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार दो महीने में गिर जाएगी। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, %ये मूख्य रह नहीं समझ रहे हैं कि इस संस्कार के पास दो महीने से अधिक का समय नहीं है। संस्कार दो महीने में गिर जाएगी। %इमरान खान ने कहा, +मेरे पास बहुत समय है, लेकिन उनके (शासकों के) पास समय

खतम होता जा रहा है।- खान ने कहा कि बेचने का आरोप लगाया। एनएबी ने उनके खिलाफ ताजा तोशाखाना मामला तब दर्ज किया जब पिछले महीने जिला एवं सत्र न्यायालय ने गैर-इस्लामिक विवाह मामले में उनकी दोषसिद्धि को खारिज कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि दोनों को तत्काल रिहा कर दिया जाना चाहिए, जब तक कि वे अन्य मामलों में वांछित न हों। तोशाखाना मामले में बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के बाद खान ने संवाददाताओं से कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार दो महीने में गिर जाएगी। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, %ये मूख्य रह नहीं समझ रहे हैं कि इस संस्कार के पास दो महीने से अधिक का समय नहीं है। संस्कार दो महीने में गिर जाएगी। %इमरान खान ने कहा, +मेरे पास बहुत समय है, लेकिन उनके (शासकों के) पास समय

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मोनाल रेस्तरां केस में कैबिनेट सचिव, अर्दोनी जनरल समेत तीन को तलब किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आज मार्गछ नेशनल पार्क में व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित एक मामले में मोनाल रेस्तरां के मालिक, इमरान खान ने कहा, +मेरे पास बहुत समय है, लेकिन उनके (शासकों के) पास समय

अयोध्या गैंगरेप के आरोपियों का डीएनए टेस्ट, पुलिस कोर्ट से अनुमति मांगेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 12 वर्षीय लड़की के साथ गैंगरेप के आरोपियों के डीएनए टेस्ट के लिए पुलिस ने कोर्ट में कागजी कार्रवाई शुरू कर दी है। कोर्ट से अनुमति मिलते ही आरोपी मोइन और राजू खान का डीएनए टेस्ट होगा। 30 जुलाई को अयोध्या पुलिस ने समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी मोइन खान को गिरफ्तार किया था। मोइन बेकरी चलाते हैं। उन पर नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप करने और बच्ची को गर्भवती करने का आरोप है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में इलाज के लिए भर्ती रेप पीड़िता के गर्भाशय का सैम्पल भी रखा गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दो महीने पहले दोनों ने लड़की के साथ रेप किया था और इस घटना को रिकॉर्ड भी किया गया था। यह घटना जब सामने आई जब हाल ही में मेडिकल जांच में पता चला कि किशोरी गर्भवती है। 2 अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाबालिग लड़की से मुलाकात की। उन्होंने लड़की से मिलने के बाद मामले की जांच में देरी के लिए दो पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का भी आदेश दिया।

श्रीलंकाई नौसेना ने 33 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, 4 नावें जळ

नई दिल्ली। श्रीलंकाई नौसेना ने शुरूवार को 33 भारतीय मछुआरों को यह आरोप लगाते हुए गिरफ्तार कर लिया कि वे दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा को पार कर उनकी तरफ आ गए थे। मछुआरों का दिन पहले पंख नॉर्थ फिशिंग पोर्ट से देशी नावों में निकले थे और दक्षिणी मन्नार के पास मछली पकड़ रहे थे। तभी गश्त पर निकली श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें घेर लिया और गिरफ्तार कर लिया, यह दावा करते हुए कि उन्होंने समुद्री सीमा पार कर ली है। श्रीलंकाई नौसेना ने चार्ली, सुसाई, रंजन और एलेक्स नाम के मछुआरों की चार नावें भी जब्त कर लीं। गिरफ्तार मछुआरों को कलपट्टी नेवी कैम्प ले जाया गया। पूछताछ के बाद, मछुआरों को पुथलम में मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। ताजा घटनाक्रम श्रीलंकाई नौसैनिक बल द्वारा कथित तौर पर समुद्री सीमा पार करने के आरोप में 22 मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के ठीक चार दिन बाद आया है। थारुवेकुलम के मछुआरों के संघ ने कहा कि मछुआरों को तब गिरफ्तार किया गया जब वे भारत और श्रीलंका के बीच गहरे पानी में मछली पकड़ रहे थे और उनकी दो मशीनीकृत नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना ने जब्त कर लिया। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने मामले का सज्जान लिया और मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। बैठक के बाद जयशंकर ने कहा कि मामले के समाधान के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

कट्टरपंथी अमृतपाल की संसद सदस्यता खत्म करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुरूवार को जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह के पताब के खट्टर साहिब से संसद चुने जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की बेंच के सामने दावा किया कि संविधान का अनुच्छेद 84 संसद की सदस्यता के लिए योग्यता से संबंधित है और कोई व्यक्ति संसद में सीट भरने के लिए चुने जाने के योग्य नहीं होगा जब तक कि वह वहां का नागरिक न हो। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से कहा कि इस मामले में अमृतपाल सिंह ने कहा था कि वह भारत के संविधान के प्रति निष्ठा नहीं रखता है। पीठ ने कहा कि आप चुनाव याचिका दायर करें। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह खट्टर साहिब निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता नहीं है, लेकिन अमृतपाल सिंह द्वारा दिए गए बयानों से यह आहट है। पीठ ने कहा कि यह सबूत का मामला है। वहां प्रक्रियाएं निर्धारित हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रावधान हैं। पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए इसे खारिज कर दिया। पांच जुलाई को अमृतपाल सिंह को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पेरौल दी गई थी।

नागपंचमी पर सपेरों को पकड़ने बनाई टीम, जबरन पिलाया जाता है दूध

इंदौर। इंदौर के मंदिरों में भी शुरूवार को विशेष श्रंगार किया गया और श्रद्धालुओं ने बाप्पी पूजन से लेकर नाग देवता के दर्शन भी कर रहे हैं। वन विभाग नागपंचमी के चलते सपेरों को पकड़ने के लिए टीमें तैनात की है। तीन टीमें शहर में सक्रिय हैं। पिछले साल भी सपेरों के चंगुल से 35 सांपों को बरामद कर जंगलों में छुड़ाया गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि सांप दूध नहीं पीता है और उसे नागपंचमी के दिन सपेरों द्वारा जबरन पकड़ लिया जाता है, जिससे वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन भी होता है। विगत सालों में कई पशु प्रेमी इन सब चीजों के लिए लड़ते रहे हैं और अब कानूनी रूप से भी कार्रवाई होने लगी है। डीएफओ महेंद्र सोलंकी के मुताबिक सांपों के प्रति क्रूरता की जाती है, जिसके चलते उन्हें सपेरों से मुक्त करवाकर जंगलों में छोड़ा जाता है। नागपंचमी के लिए ये सपेरे इन सांपों को जंगलों से पकड़ लाते हैं और फिर जबरन दूध भी पिलाया जाता है। हालांकि पुरानी मान्यता के चलते अभी भी नागपंचमी को दूध पिलाने से लेकर पूजा तो की ही जाती है, वहीं मंदिरों में भी भीड़ रहती है।

बच्चा चोरी गैंग मामले में हुई गंभीर खुलासे..... जन्म से पहले ही सौदा

—गैंग टारगेट सेट कर बच्चे चोरी करते

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से बच्चा चोरी गैंग के पकड़े जाने के बाद कई खुलासे हो रहे हैं। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि बच्चे को चोरी करने से पहले उस पर नजर रखी जाती थी। इतना ही नहीं कुछ मामलों में ऑर्डर के अनुसार जन्म से पहले ही गैंग टारगेट सेट कर लेता था। अस्पताल के पास से 5 अगस्त को बच्चा चोरी होने के मामले में पुलिस ने 4 महिलाओं सहित 5 को गिरफ्तार किया था। मामले में चार अन्य आरोपियों के नाम सामने आए हैं। गैंग ने जिस बच्चे को गुलधर से चोरी किया था, उस बच्चे को बरामद करने के लिए दिल्ली में टीम काम कर रही है। पुलिस ने बताया कि बच्चा चोरी होने के बाद सुलेख को जानकारी दी जाती थी। सुलेखा बच्चे को वीडियो कॉल पर देखती थी। उसकी मंजूरी के बाद ही बच्चे को बचने की योजना होती थी। एमएमजी अस्पताल से चोरी हुए निहाल के मामले में भी ऐसा ही हुआ था। सुलेखा ने चोरी के बाद वीडियो कॉल पर निहाल को देखा था। वहीं, पूछताछ में पता चला है कि गैंग बच्चे की संरक्ष से लेकर उसके वैकसीनेशन तक पर नजर रखते थे। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी बच्चों के वैकसीनेशन तक की डिटेल लेते हैं। गैंग बच्चों की पूरी जानकारी जुटाकर उन्हें चोरी करता था।

डिलिवरी के आसपास बढ़ाया था संपर्क

आरोपी महरीली में निहाल के माता-पिता विकी और सुधि के साथ ही किराये पर रहते हैं। विकी की मां ने बताया कि फूलबाई और उसकी बेटी ने उनकी बहु सुधि से ज्यादा संपर्क उसकी डिलिवरी के आसपास किया था। अचानक उससे ज्यादा बातें करनी शुरू कर दी। फूलबाई ने ही सुधि को अपनी बेटी कविता के साथ अस्पताल भेजा था। पुलिस पूछताछ में जन्म से पहले ही बच्चे का सौदा होने की बात सामने आई है।

जगह-जगह से दरक रहा है उत्तराखंड, जोशीमठ के बाद अब नैनीताल में भू-स्वखलन

नैनीताल। नैनीताल से 8 किलोमीटर दूर स्थित खूपी गांव की पहाड़ी की तलहटी में भू-स्वखलन होने की घटना सामने आई है। पिछले वर्ष जोशीमठ में जिस तरह जमीन धसने के बाद मकान गिरना शुरू हो गए थे। लगभग वही स्थिति अब नैनीताल के आसपास जमीन धसने की घटनाएं हो रही हैं। नैनीताल जिले के खूपी गांव के 6 मकान पूरी तरह से गिरने के कगार पर हैं। इस गांव के 19 घरों की दीवारों में दरार पैदा हो चुकी है। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है, कि यहां पर चीड़ के सुंदर पेड़ हैं। गांव के सीढ़ीदार खेत और यहां का सुंदर नजारा देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। अब उत्तराखंड के इस गांव में भूस्वखलन होने की घटना के बाद गांव के लोगों में दहशत फैल गई है। लोग अपने-अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित ठिकाने की तलाश कर रहे हैं। यहां का जनजीवन असामान्य हो गया है। जिला प्रशासन ने एक टीम यहां पर भेजी है। जो सर्वे कर रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन ने 15 करोड़ रूप के ट्रीटमेंट की एक योजना बनाई है। जिस राज्य सरकार को भेजी है। जिस तरह से उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भू-स्वखलन के कारण निराश और जमीन धसकर उड़ी है।

आप गाजा की बात करते हैं, बांग्लादेशी हिंदुओं पर क्यों नहीं निकलती आवाज?

राहुल गांधी से अनुराग ठाकुर का सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुरूवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के सुरक्षा के मुद्दे को उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को गाजा की चिंता तो है, मगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलने में इनके हॉट सिल जाते हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है? उन्होंने लोकसभा में शुरूवार के दौरान कहा कि दुर्भाग्य से, विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) और कांग्रेस पार्टी ने अंतिम बांग्लादेशी सरकार को बर्खास्त देने वाले अपने ट्वीट में, बांग्लादेश में हिंदू या अल्पसंख्यकों के संरक्षण का मुद्दा नहीं उठाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बांग्लादेश में नवगठित अंतरिम सरकार को दिए गए बर्खास्त संदेशों में



अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का उल्लेख न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। ठाकुर ने सवाल किया, 'हिंदू अल्पसंख्यकों के मुद्दे को संबोधित करने में उनकी अनिच्छा क्या है?' उन्होंने कहा कि वे गाजा में हिंसा पर बोलते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ

अत्याचारों पर चुप रहते हैं। ठाकुर ने कहा कि इसके बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद युनुस को दिए गए अपने बर्खास्त संदेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

भाजप का मिशन महाराष्ट्र: गृहमंत्री अमित शाह 3 दिवसीय दौरे पर आएंगे महाराष्ट्र

मुंबई। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा जोरशोर से तैयारी में जुटी है। साइटों के बंटवारे समेत उम्मीदवारों की जीत को लेकर अंदरखाने भाजपा की तैयारी चल रही है। इस बीच महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में भाजपा द्वारा बैठकें आयोजित की गई हैं, जिसमें भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले गृह मंत्री अमित शाह भाग लेंगे, पार्टी सूत्रों के मुताबिक गृहमंत्री अमित शाह 3 दिवसीय दौरे पर महाराष्ट्र आ रहे हैं। 16, 17 और 18 अगस्त को उनका ये दौरा होने वाला है। इस दौरे का उद्देश्य महाराष्ट्र में भाजपा की तैयारियों को मजबूत करना है। वे विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में बैठकें करेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करेंगे। यह दौरा भाजपा के मिशन महाराष्ट्र का हिस्सा है, जिसमें पार्टी राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए जोरशोर से काम कर रही है। खासकर संगठन को लिए मजबूत करने तथा आपसी कलह को मिटाने पर फोकस तो है ही साथ ही राज्य में पुनः सत्ता कैसे आए इसपर मथन चल रहा है।



मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया... जम्मू-कश्मीर में कब होंगे विधानसभा चुनाव



नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शुरूवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिकूल है। उन्होंने कहा कि आंतरिक और बाहरी शक्तियों को चुनाव को प्रभावित नहीं करने दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी दल जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराना का पुरजोर समर्थन कर रहे हैं। कुमार ने बताया कि आयोग ने राज्य की राष्ट्रीय और मान्यता प्राप्त पार्टियों से मुलाकात की। सभी ने जम्मू-कश्मीर में सफल लोकसभा चुनावों के लिए जनता और चुनाव आयोग की प्रशंसा की। सभी दलों ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, इसमें अच्छी भागीदारी रही, कोई हिंसा की घटना नहीं हुई, जिससे लोगों का विश्वास बढ़ा है। कुमार ने कहा कि सभी दलों ने

मांग की कि विधानसभा चुनाव जल्द से जल्द कराए जाएं। सभी दलों की मांग है कि जम्मू-कश्मीर में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों, जिनका स्थानीय लोगों से बेहतर जुड़ाव है। इसके पहले भारत निर्वाचन आयोग ने शुरूवार को जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस प्रमुख के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के संबंध में विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि आयोग के प्रतिनिधिमंडल में शामिल मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा एस. एस. संधी ने अपने दौरे के दूसरे दिन जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुहू और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन के साथ चर्चा की। आयोग ने चुनाव करवाए जाने को लेकर प्रशासन के साथ सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा की।

ईडी, सीबीआई और विरोधियों के चक्रव्यूह में फंसते दिख रहे लालू के लाल तेजस्वी

—रही सही कसर प्रशांत किशोर ने पूरी कर दी

पटना (एजेंसी)। आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव चक्रव्यूह में फंसते जा रहे हैं। लैंड फॉर जॉब स्कैम में दारिद्र्य सीबीआई की पूरक चार्जशीट तेजस्वी के गले की फांस बन गई है। तेजस्वी 17 अगस्त से बिहार के जिलों के दौरे पर निकलने की घोषणा कर चुके हैं। इसकी तैयारियां भी आरजेडी कर रही हैं। दरअसल आरजेडी की चिंता लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बढ़ गई है। मजबूत गठबंधन और आरजेडी के बड़े जनाधार के बावजूद 23 में सिर्फ चार सीटों पर ही जीत से चिंता स्वाभाविक है। आरजेडी की चिंता जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी बढ़ा दी है। दरअसल पीके के निशाने पर सबसे अधिक लालू के लाल तेजस्वी ही दिख रहे हैं। उनकी रणनीति जो अब तक सामने आई है, उससे आरजेडी के आधार वोट बैंक में बिखराव के खतरे बढ़ गए हैं। जेडीयू और भाजपा आरजेडी के पुराने दुश्मन ही रहे हैं। जमीन के बटले नौकरी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो पूरक चार्जशीट दारिद्र्य की है, उसमें तेजस्वी का भी नाम है। ईडी ने उन पर मनी लाँड्रिंग का मामला कायम किया है। चार्जशीट में



तेजस्वी यादव के अलावा उनके पिता लालू प्रसाद यादव सहित 11 लोगों आरोपी बनाए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी। तेजस्वी अपने परिवार के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की रूटीन कार्रवाई बता रहे हैं, लेकिन तेजस्वी को मामले में गिरफ्तारी का भय भी सता रहा है। इस मामले को दो केंद्रीय एजेंसियां—सीबीआई और ईडी जांच कर रही हैं।

वहीं जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की सियासत में जिस तरह का भूचाल ला दिया है, उसकी आहट अब स्पष्ट सभी राजनीतिक दल महसूस कर रहे हैं। इसमें सबसे अधिक चिंता आरजेडी कैम्प में ही है। इसके पीछे वजह पीके के निशाने पर हमेशा ही तेजस्वी ही रहते हैं। तेजस्वी की योग्यता और उनके परिवार के शासन काल की कामियों को लेकर प्रशांत किशोर लोगों को न सिर्फ जागरूक करते रहे हैं, बल्कि आरजेडी के आधार वोट में सेंध लगाने का पुख्ता इंतजाम कर चुके हैं। आरजेडी मुसलमानों को अपना आधार वोट मानता

है। आरजेडी के एम-वाई समीकरण का एक घटक मुसलमान ही है। प्रशांत ने मुसलमानों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में 75 सीटें देने का ऐलान कर आरजेडी नेताओं की नींद उड़ा दी है। इतना ही नहीं, प्रशांत किशोर से जन सुराज से जिस तरह आरजेडी के नेता जुड़ने लगे हैं,

वह भी पार्टी के लिए चिंता का विषय है। एनडीए में शामिल भाजपा, जेडीयू, लोजपा, हम (से) और आरएलएफ के नेता पहले से तेजस्वी के विरोध में हैं। भाजपा के नेता यहां तक कहने लगे हैं कि सीबीआई और ईडी से तेजस्वी का बचना मुश्किल है। उनका जेल जाना तय है। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हमले तेजस्वी और उनके परिवार के खिलाफ किए, इससे साफ है कि जेडीयू तेजस्वी के प्रति किसी तरह की नरमी के मूड में नहीं है। तेजस्वी और उनके पिता लालू को अब भी उम्मीद है कि नीतीश कुमार विपक्षी इंडिया ब्लॉक के साथ आ जाएंगे। लेकिन मौजूदा स्थिति में यह संभव नहीं दिखता, क्योंकि भाजपा ने आपला चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ने का ऐलान कर उनके मन की मुराद पूरी कर दी है। संसद में भी जेडीयू और भाजपा की बहालबंदी देखकर आरजेडी को जरूर निराशा हुई होगी।

जब धनखड़ और जया के बीच हुई तीखी नोकझोंक... उनका लहजा स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉनसून सत्र के दौरान फिर संसद की कार्रवाही शुरूवार को शुरू हुई। लेकिन फिर जया बच्चन को लेकर राज्यसभा में बवाल हो गया। दरअसल धनखड़-तिवाड़ी ने एलओपी पर कुछ दिन पहले असंतोष दिव्णों की थी जिस पर विपक्ष की तरफ से नोटिस दिया गया था। विपक्ष ने शुरूवार को मुद्दे को उठया था, तभी जया बच्चन पर टिप्पणी चेरमैन ने की जिसके बाद हंगामा हो गया।



निकालने के लिए दूढ़ है। राज्यसभा में विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया, सभापति जगदीप धनखड़ ने दुखद दिन बताया। धनखड़ ने उपस्थित सत्ता पक्ष से कहा कि युनिआ हमें पहचान रही है और हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन ये लोग बाधा डालना चाहते हैं।

महिला ने बैठे-बैठे सदस्यों को उकसाया.....डंडा चलाइए

राज्यसभा में जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने बिना नाम लिए सपा सांसद जया बच्चन पर निशाना साधा। सांसद झा ने कहा कि उन्होंने बैठकर सारे माहौल को उकसाने का काम किया। उसके बाद सारे कांग्रेस के लोग इकट्ठा हुए। वे बैठे-बैठे स्पीकर की तरफ इशारा करते हुए बोल रहे थे। आपने स्पष्ट किया जो आप नॉमिनेशन में कागज देते

हैं, वहीं नाम लिया जाता है। उसका एक तरीका है, इस चेंज करने का। आप चेंज करा सकते हैं। आज फिर वह उसी को लेकर आपत्ति जता रही थीं।

जेडीयू सांसद झा ने कहा कि मुझे लग रहा है कि इन लोगों को पच नहीं रहा है। नरेंद्र मोदी का तीसरी बार आना इन लोगों पर पच ही नहीं रहा है। सच्चाई ये है और काई वजह नहीं है। जो जयंत जी कह रहे थे, इस चेरमैन का अपना सम्मान है। आप वहां से डायरेक्शन देते हैं, आप वहां से रूलींग देते हैं। मैं अपनी पार्टी की तरफ से यही निवेदन करूंगा, क्योंकि ये बार-बार होता रहेगा। आप थोड़ा सॉफ्ट मत होइए। आप थोड़ा डंडा चलाइए। नहीं ये हमेशा ये दिक्कत होता रहेगा। मैं देखता हूँ आप बहुत सहते हैं, कुछ लोग मजाक भी बनाते हैं। ये लोग उसकी सराहना नहीं करते हैं। उन्हें माफी मांगनी ही चाहिए।

स्कूल शिक्षा निदेशालय का निर्देश, अब 'गुड मॉर्निंग' नहीं, 'जय हिंद' कहेंगे बच्चे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा सरकार के एक सर्कुलर के अनुसार इस स्वतंत्रता दिवस से हरियाणा के सभी स्कूलों में 'गुड मॉर्निंग' शब्द की जगह 'जय हिंद' शब्द लिखा जाएगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने गुरुवार (8 अगस्त) को जारी सर्कुलर में कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना पैदा करना है। सर्कुलर में कहा गया है कि 'जय हिंद' शब्द सुभाष चंद्र बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गढ़ा था और स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों द्वारा इसे सलामी के रूप में अपनाया गया था।



स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को परिपत्र भेजा है। परिपत्र के अनुसार, स्कूलों में 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद' लिखा जाएगा, ताकि छात्रों को राष्ट्रीय एकता की भावना और देश के समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान से प्रतिदिन प्रेरित किया जा सके। इसमें कहा गया है कि

देशभक्ति से ओतप्रोत 'जय हिंद' छात्रों को देश की आजादी के लिए किए गए बलिदानों की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसमें कहा गया है कि 'जय हिंद' 'वंदे मातरम' कहे। एक दिन पहले ही सरकार ने एक सरकारी संकल्प (जीआर) जारी कर राज्य के कर्मचारियों और अधिकारियों से अपील की थी कि वे आधिकारिक या व्यक्तिगत फोन कॉल के दौरान लोगों का अभिवादन 'हेलो' के बजाय 'वंदे मातरम' कहकर करें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से आरएसएस चिंतित, कहा- यह बर्दाशत नहीं किए जाएंगे



नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस के सकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने बांग्लादेश में वर्तमान में हो रही घटनाओं पर एक बयान जारी किया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि आरएसएस पिछले कुछ दिनों में सत्ता परिवर्तन अंतर्निहित के दौरान हिंदुओं, बौद्धों और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुई हिंसा की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि लश्किय हत्या, लूट, आगजनी, हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं के खिलाफ ज्वलन पर हमले बर्दाशत नहीं किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि आरएसएस इसकी कड़ी निंदा करता है। आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील

अम्बेकर ने दत्तात्रेय होसबोले के संदेश को बताते हुए आगे कहा कि उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाए तथा पीड़ितों के जीवन, संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए सभी प्रबंध करें। उन्होंने वैश्विक समुदाय और भारत के राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे उपीड़न के शिकार हिंदुओं, बौद्धों और अन्य समुदायों के साथ एकजुट होकर खड़े हों। उन्होंने भारत सरकार से भी अपील की है कि आरएसएस बांग्लादेश के मित्र पड़ोसी देश के रूप में उचित भूमिका निभाने का प्रयास करें और हिंदुओं, बौद्धों और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास करें।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने शुरूवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूद स्थिति की निगरानी के लिए एक पैन्ल का गठन किया। शाह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बांग्लादेश में चल रहे हालात के मद्देनजर, मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संचार चैनल बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्री ने कहा कि समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेगी।